दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

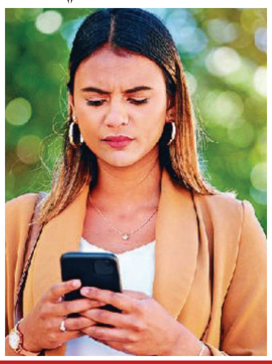

अमन लेखनी

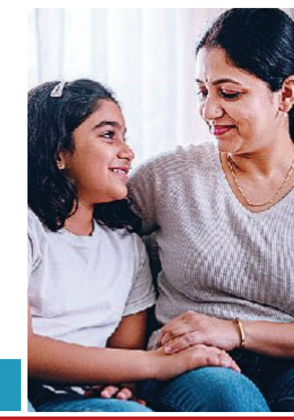

सोशल मीडिया पर आपके .... सख्ती के साथ नर्मी भी ....
वर्ष : 11 अंक : 357 लखनऊ, 17 दिसम्बर, बुधवार 2025 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपए

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

खबर संक्षेप

पाक में बंदूक दिखाकर 18 यात्रियों का अपहरण

इस्लामाबाद। अज्ञात बंदूकधारियों ने बस में यात्रा कर रहे कम से कम 18 लोगों का अपहरण कर लिया है। जिन लोगों का अपहरण किया गया है वो बस से क्वेटा जा रहे थे। अपहरण की इस घटना के बाद पाकिस्तान में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक घटना सिंध प्रांत के घोटाकी इलाके के पास घटी है। अज्ञात बंदूकधारियों ने योजना के तहत वारदात को अंजाम दिया। बंदूकधारियों ने सिंध और पंजाब बॉर्डर के पास हाईवे लिंक रोड पर रात के समय बस पर फायरिंग की और फिर 18 लोगों का अपहरण कर लिया।

भारत और जॉर्डन दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को मिली नई दिशा

5 महत्वपूर्ण समझौते, आर्थिक रिश्तों को मिली नई दिशा... डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर फोकस

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

व्यापार, रक्षा, सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, उर्वरक और कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, खनिज, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत बनाने जैसे मुद्दे चर्चा में शामिल थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जॉर्डन यात्रा ने भारत और जॉर्डन के रिश्तों को और मजबूत किया है। इस यात्रा के दौरान 5 महत्वपूर्ण समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। ये समझौते नवीकरणीय ऊर्जा, जल संसाधन प्रबंधन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, डिजिटल समाधान और पेट्रा व एलोरा के बीच जुड़ाव से संबंधित हैं। मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री मोदी ने जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय के साथ कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इसमें व्यापार, रक्षा, सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, उर्वरक और कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, खनिज, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत बनाने जैसे मुद्दे शामिल थे।

पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को अगले पांच वर्षों में 5 अरब डॉलर तक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने जॉर्डन के डिजिटल भुगतान प्रणाली को भारत के यूनाइटेड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) से जोड़ने की भी बात की। जॉर्डन, भारत के लिए उर्वरकों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है और दोनों देशों की कंपनियां इस क्षेत्र में निवेश बढ़ाने पर विचार कर रही हैं। ऐसे में भारत में फॉस्फेटिक उर्वरकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए जॉर्डन में और निवेश हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी की जॉर्डन की पहली पूर्ण यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित की गई है। भारत, जॉर्डन का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और उसे अनाज, फ्रोजन मीट, पेट्रोलियम उत्पाद, पशु चारा आदि निर्यात करता है। वहीं जॉर्डन भारत के लिए फॉस्फेट और पोटाश उर्वरकों का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता भी है।

अगले 5 वर्षों में 5 अरब डॉलर तक द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने का रखा प्रस्ताव

भारत, जॉर्डन का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार

हस्ताक्षर के बाद हाथ मिलाते पीएम मोदी एवं जॉर्डन राजा अब्दुल्ला

दोनों देशों के बीच तकनीकी क्षेत्र में भी मजबूत संबंध

इसके अलावा, भारत और जॉर्डन के बीच तकनीकी क्षेत्र में भी मजबूत संबंध बन रहे हैं। जॉर्डन में भारत-जॉर्डन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की स्थापना की गई है, जो अल-हुसैन टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एचटीयू) में स्थित है। यह केंद्र पूरी तरह से भारत द्वारा फंडेड है और इसमें अत्याधुनिक आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद है, जिसमें सुपर कंप्यूटर परम शावक और अन्य उन्नत प्रशिक्षण सुविधाएं शामिल हैं।

इन समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

- नए और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में टेक्निकल
- जल संसाधन प्रबंधन और विकास सेक्टर
- पेट्रा और एलोरा के बीच ट्विनिंग एग्रीमेंट
- साल 2025-2029 के लिए सांस्कृतिक
- आदान-प्रदान कार्यक्रम का रिन्यूअल
- डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के लिए बड़े पैमाने पर लागू किए गए सफल डिजिटल समाधानों को शेयर करने के सेक्टर में सहयोग पर लेटर ऑफ़ इंटेंट

वर्तमान समय में करीब 17,500 भारतीय नागरिक जॉर्डन में

वर्तमान समय में करीब 17,500 भारतीय नागरिक जॉर्डन में रहते हैं, जिनमें से अधिकांश कपड़ा, निर्माण, विनिर्माण और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में काम करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान जॉर्डन इंडिया फर्टिलाइजर कंपनी (जेआईएफसीओ) जैसे संयुक्त उपक्रमों का जिक्र किया गया। यह कंपनी भारतीय किसान उर्वरक सहकारी (आईएफएफसीओ) और जॉर्डन फॉस्फेट माइन कंपनी (जेपीएमसी) के बीच एक 860 मिलियन डॉलर का संयुक्त उपक्रम है। यह कंपनी भारत के लिए फॉस्फोरिक ऐसिड का उत्पादन करती है। इसके अलावा, 15 से ज्यादा गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां, जो एनआरआई द्वारा चलायी जाती हैं, जॉर्डन के क्वालिफाइड इंडस्ट्रियल जोन (क्यूआईजेड) में कार्यरत हैं और 500 मिलियन डॉलर का निवेश किया गया है।

इजराइल दौरे पर पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर

संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले भारत और इजराइल मिलकर रक्षा और व्यापार क्षेत्र में करेंगे काम

जयशंकर एवं इजराइल के विदेश मंत्री गिडिओन सआर ने की पत्रकार वार्ता

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

विदेश मंत्री एस. जयशंकर दो दिन की यात्रा पर इजराइल पहुंचे हैं। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की प्रस्तावित भारत यात्रा की तैयारियां चल रही हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। इस बातचीत के बाद नेतन्याहू ने कहा था कि दोनों नेता बहुत जल्द मुलाकात करेंगे।

जयशंकर ने इजराइली विदेश मंत्री गिडिओन सआर के साथ यरूशलम में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। अपने इजराइल प्रवास के दौरान जयशंकर राष्ट्रपति आइजैक हर्ज़ोग और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी मुलाकात करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, इन बैठकों में भारत और इजराइल के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने, आपसी सहयोग बढ़ाने और पश्चिम एशिया से जुड़े क्षेत्रीय हालात पर चर्चा होगी।

राष्ट्रपति आइजैक और पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से करेंगे मुलाकात

डिफेंस सेक्टर में भी सहयोग बढ़ा

रक्षा क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच सहयोग तेजी से बढ़ा है। पिछले महीने भारत और इजराइल ने रक्षा, औद्योगिक और तकनीकी सहयोग को मजबूत करने के लिए एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इसके तहत मॉडर्न टेक्नीन साझा की जाएगी और डिफेंस सेक्टर में को-डेवलपमेंट और को-प्रोडक्शन को बढ़ावा मिलेगा। भारत और इजराइल के रिश्ते सांस्कृतिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में भी मजबूत हो रहे हैं। दोनों देशों के बीच फिल्म महोत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कलाकारों के आदान-प्रदान किए जा रहे हैं। सोमवार को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और तेल अवीव यूनिवर्सिटी के बीच एक समझौता हुआ।

पाकिस्तानी सेना के गढ़ रावलपिंडी से मिट गई हिंदू विरासत

हिंदू बहुसंख्यक थे, अब अस्तित्व भी खत्म! 39 मंदिर थे सिर्फ 3 बचे

हिंदुओं के बड़े हिस्से को पीटकर भगा दिया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

रावलपिंडी में आज की तारीख में सिर्फ 5 हजार 113 हिंदू बचे हैं, जबकि पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सिर्फ 141 हिन्दू परिवार रहते हैं। रावलपिंडी में अब सिर्फ तीन मंदिर हैं, जहां पूजा होती है, जिनमें एक कृष्ण मंदिर (सदर इलाके में), वाल्मीकि मंदिर (ग्रेसी लाइन्स) और लाल कुर्ती मंदिर शामिल हैं। 1947 से पहले यह शहर मंदिरों, धर्मशालाओं और हिंदू बहुल मोहल्लों से भरा था। पाकिस्तानी अखबार के मुताबिक 1943 की जनगणना के मुताबिक, रावलपिंडी में 82,178 हिंदू, 47,963 सिख और सिर्फ 22,461 मुस्लिम रहते थे। उस समय रावलपिंडी में 39 मंदिर, 14 गुरुद्वारे, 12 श्मशान घाट और 11 धर्मशालाएं मौजूद थीं।

फाइल फोटो

हिंदुओं के थे कई इलाके

डिंगी खोई, पुराना किला, जामिया मस्जिद रोड, नेहरू रोड (अब गजनी रोड), सद्दर और रेलवे रोड जैसे इलाके हिंदू आबादी के प्रमुख केंद्र थे। लेकिन 1947 के विभाजन के बाद हालात तेजी से बदले और हिंदू समुदाय के एक बड़े हिस्से को मार पीटकर भारत भगा दिया गया। हिंदुओं के जाने के बाद थोड़े बहुत सिख, जो बच गये थे, उन्हें इन इलाकों में बसाया गया।

ऑस्ट्रेलिया में आतंकी हमलावर हैदराबादी था!

पुलिस बोली- 27 साल पहले देश छोड़ा आखिरी बार 2022 में भारत आया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

ऑस्ट्रेलिया में 14 दिसंबर को सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी लोगों पर हमला करने वाला आतंकी साजिद अकरम भारत का था। 50 साल का साजिद मूल रूप से तेलंगाना के हैदराबाद का रहने वाला था।

उसने हैदराबाद से बीकॉम किया और स्टूडेंट वीजा पर नौकरी की तलाश में नवंबर 1998 में ऑस्ट्रेलिया चला गया। बाद में उसने यूरोपीय मूल की महिला वेनेरा ग्रोसो से शादी की और वहीं स्थायी रूप से बस गया। साजिद के पास अब भी भारतीय पासपोर्ट था। आतंकी हमले में शामिल साजिद का बेटा नवीद अकरम (24 वर्षीय) ऑस्ट्रेलियाई नागरिक हैं। साजिद की एक बेटी भी है। तेलंगाना पुलिस के मुताबिक 1998 से पहले भारत में साजिद के खिलाफ कोई आपराधिक रिकॉर्ड भी नहीं है।रिपोर्ट के मुताबिक साजिद आखिरी बार 2022 में भारत आया था। बताया गया है कि वह अपने पिता के निधन के समय भी भारत नहीं आया।

राजदूत जीवी श्रीनिवास ने कहा

भारत-ओमान द्विपक्षीय व्यापार 10 अरब डॉलर से अधिक हुआ, नई दिशा देगी पीएम मोदी की यात्रा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी ओमान यात्रा से पहले भारत में ओमान के राजदूत जीवी श्रीनिवास ने कहा है कि यह दौरा दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे रणनीतिक साझेदारी को और मजबूती देगा।

उन्होंने बताया कि भारत-ओमान द्विपक्षीय व्यापार 10 अरब डॉलर से अधिक हो चुका है और अब दोनों देश ग्रीन हाइड्रोजन, सतत विकास और भविष्य की तकनीकों जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा रहे हैं। श्रीनिवास ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा बेहद समयानुकूल है। आठ वर्षों बाद हो रही इस यात्रा से पहले दिसंबर 2023 में ओमान के सुल्तान भारत आए थे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का शीर्ष नेतृत्व व्यापार, आर्थिक संबंधों और समग्र सहयोग को नई दिशा और गति देने का काम करेगा।

ओमान के सुल्तान से होगी मुलाकात

राजदूत ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा भले ही 24 घंटे से कम की होगी, लेकिन कार्यक्रम बेहद व्यस्त रहेगा। पीएम मोदी ओमान के सुल्तान से एक-से-एक और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। इसके अलावा, मोदी एक बिजनेस समिट में हिस्सा लेंगे और भारतीय समुदाय के साथ संवाद करेंगे। इस बार प्रधानमंत्री ओमान में पढ़ रहे भारतीय छात्रों से भी मुलाकात करेंगे।

रक्षा संपदा दिवस पर आयोजित समारोह में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

छावनी क्षेत्रों को और अधिक स्मार्ट, ग्रीन और सिटीजन-फ्रेंडली बनाना है मकसद

रक्षा संपदा के संगठन ने इनोवेशन और नियमित उन्नति की स्थायी संस्कृति के रूप में विकसित किया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भविष्य की चुनौतियां हमारे सामने मुंह खोले खड़ी हैं। हमें उन चुनौतियों से भी निपटना है। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह बात मंगलवार को कही। वह रक्षा संपदा दिवस पर आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे। यहां उन्होंने इन चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे में एक बुनियादी प्रश्न हमारे सामने खड़ा होता है, कि क्या हम केवल प्रक्रियाओं को चलाने वाले संगठन बने रहेंगे, या एक ऐसे संस्थान बनेंगे जो सीखता भी है, बदलता भी है और रास्ता भी दिखाता है।

उन्होंने रक्षा संपदा के इस संगठन के अंदर इनोवेशन और नियमित उन्नति की एक स्थायी संस्कृति विकसित की। रक्षा मंत्री ने बताया कि

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया संबोधित

आने वाले वर्षों में हमें छावनी क्षेत्रों को और भी अधिक स्मार्ट, ग्रीन और सिटीजन-फ्रेंडली बनाना है। हमें ऐसा प्रशासन विकसित करना है, जो और ज्यादा सरल हो, रिस्पॉन्सिव हो और भविष्य के प्रति सजग हो। रक्षा मंत्री ने कहा कि छावनियों को हरा-भरा और स्वच्छ बनाना, जल संचयन पर काम करना, कचरा प्रबंधन में वैज्ञानिक अप्रोच अपनाना यह दिखाता है कि सुरक्षा और सस्टेनेबिलिटी साथ-साथ चल सकते हैं।

यह आने वाले समय के लिए एक मॉडल बन सकता है। उन्होंने कहा, मुझे इस बात की खुशी है, कि एक संस्था के रूप में रक्षा संपदा संगठन ने ग्राउंड-ऑरियेंटिड संस्थान की भूमिका निभाई है। आपने खुद को केवल फाइल्स, आदेश और नियम पुस्तिका तक सीमित न रखकर, देश के विकास से जोड़ा है। यह अपने आप में, आप सबके लिए, गर्व का विषय है। आज मैं देश के लिए, इंडियन डिफेंस स्टेट सर्विस के योगदान की सराहना करना चाहूंगा।

असली ताकत हथियारों में नहीं बल्कि उसके सिस्टम में है

रक्षा मंत्री ने कहा कि आज अगर हमारा रक्षा क्षेत्र इतनी तेजी से प्रगति कर रहा है, तो उसमें आपके इस समर्पण का भी बड़ा योगदान है। किसी भी राष्ट्र की ताकत केवल हथियारों से नहीं मापी जाती। उसकी असली ताकत उसके सिस्टम, उसके प्रशासन और उसके मूल्यों में होती है। प्रशासन अगर ईमानदार, पारदर्शी और संवेदनशील हो, तो वह उस राष्ट्र की सबसे मजबूत ढाल बन जाता है।

17 लाख एकड़ से अधिक रक्षा भूमि का प्रबंधन करते हैं

लगभग दो सौ वर्षों से भी अधिक समय से, इस सर्विस ने जिस परंपरा और जिस विरासत का निर्माण किया है, उसकी जितनी भी सराहना की जाए, वो कम है। आज हमारी डिफेंस स्टेट का दायरा कितना व्यापक और कितना महत्वपूर्ण है, इसे सिर्फ इस बात से समझा जा सकता है, कि आप लोग 17 लाख एकड़ से भी अधिक रक्षा भूमि का प्रबंधन करते हैं। यह कोई साधारण जिम्मेदारी नहीं है। यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, क्योंकि हमारी जो रक्षा भूमि है, वह महज जमीन का टुकड़ा भर नहीं है।

सुरक्षा बलों को मिला हथियारों का जखीरा

मणिपुर में दो प्रतिबंधित संगठनों के 5 उग्रवादी किए गए गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

मणिपुर में सुरक्षा बलों के एक संयुक्त अभियान में पिछले 24 घंटों के दौरान तीन अलग-अलग जिलों से दो बैन संगठनों के पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही, कुछ हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

मणिपुर पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि बैन किए गए पीपल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेइपाक (पीआरईपीएक) और कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) के पांच उग्रवादियों को बिष्णुपुर, इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व जिलों में अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया गया। सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व जिले से सुइमी अवुंगशी (53), जो कामजोंग जिले का रहने वाला है, नाम के एक ड्रग पेडलर को भी एक किलो ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया।

हथियारों का जखीरा

संक्षेप

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री पर टिप्पणी, आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला सामने आया है। इस मामले में हरदोई के अतरौली थाना क्षेत्र के ग्राम कटियार निवासी राजू हिन्दू ने माल थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। तहरीर के मुताबिक माल थाना क्षेत्र के ग्राम नबीपनाह भट्ठा निवासी मोहम्मद शाहरुख ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक, अमर्यादित और भड़काऊ वीडियो पोस्ट किया। आरोप है कि वीडियो के जरिए संवैधानिक पदों की गरिमा को ठेस पहुंचाने के साथ ही समाज में वैमनस्य और अशांति फैलाने का प्रयास किया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस तरह की सामग्री से सामाजिक सौहार्द बिगड़ सकता है और लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि वीडियो जानबूझकर समाज को विभाजित करने के उद्देश्य से प्रसारित किया गया। इस संबंध में माल इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्ट किए गए वीडियो की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा है कि सोशल मीडिया पर भड़काऊ और आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हार्ट अटैक से रोडवेज की बस में परिचालक की मौत ,

लखनऊ। चारबाग से इलाहाबाद जा रहे परिचालक को मंगलवार को बस में हार्ट अटैक पड़ गया। जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया गया जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।? मिली जानकारी के अनुसार रुस्तम बिहार कालोनी नई बाजार सीपेड चौराह नादरगंज सरोजनी नगर निवासी रमेश कुमार गौड़ रोडवेज में संविदा पर परिचालक पद पर कार्यरत थे।

किसानों ने भरी हुंकार, शोषण बंद करें सरकारें, बड़ा आंदोलन होगा

पीजीआई के वृन्दावन योजना, सेक्टर 16 में राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन की महापंचायत

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई क्षेत्र के वृंदावन योजना सेक्टर16 में राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के बैनर तले हजारों महिला और पुरुष किसानों ने मंगलवार को सरकार की किसान विरोधी नीतियों और उसके द्वारा पोषित भू माफियाओं के खिलाफ हुंकार भरी, वह लगातार सरकार और शासन स्तर पर किसानों मजदूरों का शोषण किए जाने की बात बार बार दोहराते रहे। लखनऊ जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि सरकार और भू माफिया मिलकर किसानों की जमीन औने पौने दामों में खरीदकर किसानों को कंगाल बनाये दे रहे हैं। जमीन अधिग्रहण के बाद किसान सड़क पर आ जाता है, और खरीदने वाले बिल्डर और सरकार मालामाल हो रहे हैं। वहीं संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी एम सिंह ने किसानों के बदहाल जीवन के लिए सरकार को कठघरे में खड़ा किया, उन्होंने कहा कि खेतों में खड़ा रहकर सब का पेट भरने वाला किसान अपनी जमीन का मालिक नहीं बन सका, अपनी फसल की कीमत नहीं तय कर सकता, तो यह हमारी सरकार कैसे हुई हमको अपनी सरकार बनानी होगी, पीछे भागना बंद करो, उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार ने किसानों की जमीन के सर्किल रेट पिछले 11 वर्षों में नहीं बढ़ाया, अगस्त 2025 में 4 प्रतिशत से लेकर 15 प्रतिशत जो थोड़ा बहुत बढ़ाया वह काफी नहीं है। सर्किल रेट बढ़ाया जाए, जमीन का अधिग्रहण करने पर बाजार मूल्य का चार गुना मुआवजा दिया जाए। आवारा पशुओं, जंगली जानवरों से फसलों को सुरक्षित करने के उपाय किए जाएं। सिंचाई विभाग के मंत्री अधिकारी बड़ी बड़ी कोठियों में बैठे हैं, सिंचाई व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। न नहरों में पानी आता है न उनकी सफाई होती है। उन्होंने कहा कि जब देश गरीब था तो नहरों की सफाई होती थी, पटरियों पर आमजनता चलती थी, अब सब कुछ ठीक नहीं हो रहा। किसानों को समय पर बिजली आपूर्ति नहीं हो रही, मुश्किल से 8 घंटे बिजली मिल रही है उसे 18 घंटे की जाए। अगर किसानों की मांगे नहीं मानी गई तो किसान सड़कों पर उतरने से गुरेज नहीं करेगा, और उसकी जिम्मेदारी सरकार और उसकी किसान विरोधी नीतियों की होगी। महापंचायत में संगठन के पदाधिकारी प्रताप बहादुर पटेल, श्रीमती ऋचा सूद, अध्यक्ष महिला मोर्चा, दिनेश यादव, सुरेश, महासचिव राम सिंह, राज सिंह राजेन्द्र यादव मण्डळ उपाध्यक्ष, हरिपाल सिंह महामंत्री जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार यादव, राम सिंह सहित हजारों की संख्या में लखनऊ जिले के किसान शामिल हुए।

वी एम सिंह की व्योहार से नाराज एस डी एम ने नहीं लिया ज्ञापन

एस डी एम सरोजनी नगर लखनऊ, अंकित शुक्ला महापंचायत में पहुंचे, लेकिन वह जैसे ही मंच पर चढ़ने लगे मंच पर मौजूद राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी एम सिंह ने उनसे अभद्र भाषा का प्रयोग किया, जिससे नाराज होकर अंकित शुक्ला लौट गए, ज्ञापन स्वीकार नहीं किया। इसके बाद मंच से एस डी एम मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। वी एम सिंह ने कहा कि 2027 में सरकार बनानी है, गन्ने का मूल्य 500 रुपए कुंतल किया जाए, नकद भुगतान किया जाए। एस डी एम सरोजनी नगर के लिए कहा जो अधिकारी जनता के प्रतिनिधि को अपना नाम नहीं बता सकता, वह क्या सेवा करेगा। आखिर में जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार यादव ने इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेन्द्र कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। किसानों की महापंचायत के मद्देनजर पीजीआई कोतवाली प्रभारी धीरेन्द्र कुमार सिंह, अतिरिक्त निरीक्षक विनोद पांडे, सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, दुकान में घुसने से मची अफरा-तफरी......

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। निगोहां कस्बे में मंगलवार शाम उस समय हड़कंप मच गया जब लखनऊ से रायबरेली की ओर जा रही तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने सामने से आ रहे एक ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि कार चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और अनियंत्रित कार हाईवे किनारे स्थित एक व्यापारी की दुकान के पास खड़ी बाइक को टक्कर मारते हुए सीधे दुकान में जा घुसी घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग सहम गए हादसे में ई-रिक्शा चालक रिंकू चौरसिया निवासी मीरकनगर निगोहां गंभीर रूप से घायल हो गए, सूचना मिलते ही निगोहां पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को एंबुलेंस की मदद से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज भेजा गया जहां उसका उपचार जारी है। राहगीरों के अनुसार टक्कर के बाद ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया वहीं कार में सवार मिर्जापुर निवासी दीपक और उसके परिवार की एक महिला को भी हल्की चोटें आई हैं जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया गनीमत रही कि हादसे के समय दुकान के भीतर अधिक लोग मौजूद नहीं थे अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। निगोहां थानाध्यक्ष अनुज तिवारी ने बताया कि दुर्घटना में शामिल कार को कब्जे में ले लिया गया है तथा चालक को हिरासत में लिया गया उन्होंने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर मिलने पर मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही घटना के बाद कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सुचारु कराया स्थानीय लोगों ने तेज रफ्तार वाहनों पर रोक लगाने और सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने की मांग की है।

प्लॉट की बाउंड्री तोड़कर अवैध कब्जे पर भूमाफियाओं पर मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। निगोहां थाना क्षेत्र के टिकरा गांव में हाइवे के किनारे स्थित एक रियल एस्टेट प्रोजेक्ट में प्लॉट की बाउंड्री तोड़कर अवैध कब्जा किए जाने का गंभीर मामला सामने आया पीड़ित की तहरीर पर निगोहां पुलिस ने रियल एस्टेट कंपनी के के सी एमडी समेत अन्य अज्ञात कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी निगोहां पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वादी अनुराग गुप्ता पुत्र अवधेश गुप्ता निवासी सी-244 साउथ सिटी थाना पीजीआई लखनऊ ने पुलिस को दी गई लिखित तहरीर में बताया कि टिकरा गांव के पास स्थित प्लॉट संख्या अ-159, जो स्वराज इन्फ्रास्टेट एंड एलाइड लिमिटेड परियोजना में आता उन्होंने वैधानिक रूप से कब्जे में लिया था वादी द्वारा प्लॉट पर करीब 3 से 4 फीट ऊंची बाउंड्री बनवाकर उसमें मिट्टी भराव कराकर भूमि को समतल कराया गया था। आरोप है कि इसके बावजूद स्वराज इन्फ्रास्टेट एंड एलाइड लिमिटेड के के सी एमडी मनोज त्यागी एवं कंपनी के अन्य अज्ञात कर्मचारियों ने धोखाधड़ी करते हुए वादी की बाउंड्री तुड़वा दी और जानबूझकर अवैध अतिक्रमण कर लिया। इस घटना से वादी को आर्थिक और मानसिक क्षति पहुंची है।पुलिस ने वादी की तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।इस संबंध में थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। सभी तथ्यों की बारीकी से जांच कर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में भूमि और प्लॉट से जुड़े विवाद लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे तनाव की स्थिति बनी रहती है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार के संपत्ति विवाद में कानून का सहारा लें और स्वयं कानून हाथ में न लें।

पचास किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। निगोहां थाना क्षेत्र में पुलिस और एंटी नारकोटिक्स की संयुक्त टीम ने गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 50 किलो अवैध गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया जबकि उसका एक साथी मौके से फरार हो गया इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया पुलिस के अनुसार, मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर निगोहांझनगराम मार्ग पर मीरकनगर जाने वाले रास्ते पर चेकिंग अभियान चलाया गया इसी दौरान एक संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली गई जिसमें भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ मौके से एक आरोपी को दबोच लिया गया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला गिरफ्तार आरोपी की पहचान 22 वर्षीय अनिकेत मौर्या उर्फ अतुल मौर्या पुत्र जयदीप मौर्या, निवासी ग्राम जिगना पूरे देव थाना जगतपुर जनपद रायबरेली के रूप में हुई निगोहां थानाध्यक्ष अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि आरोपी के कब्जे से कुल 49.050 किलो अवैध गांजा बरामद किया गया जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब सात लाख रुपये आंकी गई पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त वाहन यूपी-33 सीके-6816 हुंडई ऑरा कार को भी सीज कर दिया है इसके साथ ही आरोपी के पास से दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी बरामद किए गए जिनकी जांच की जा रही ताकि तस्करी से जुड़े अन्य नेटवर्क का पता लगाया जा सके। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे यह गांजा अनोखेलाल जायसवाल निवासी ग्राम हरदूसराय, थाना जगतपुर जनपद रायबरेली से मिला जिसे वह लखनऊ के पीजीआई क्षेत्र में बेचने जा रहे थे। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी और गांजा सप्लायर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है, जबकि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

डिवाइडर से टकराई बाइक, होमगार्ड के बेटे की मौत, साथी घायल

हादसा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रिश्तेदारी में शामिल होकर वापस लौट रहे बाइक सवारों की बाइक अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने आनन फानन घायलों को सीएचसी मलिहाबाद पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने एक को मृत घोषित कर दूसरे की हालत गंभीर देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार माल कस्बा निवासी प्रिंस उर्फ प्रभात यादव (22) सोमवार रात अपने दोस्त अरुण कुमार निवासी कोनेश्वर लखनऊ के साथ जालामऊ गांव से रिश्तेदारी में शामिल होकर बाइक से वापस अपने घर लौट रहे थे। तभी हिंदुस्तान धर्म कांटा के सामने लखनऊ हरदोई हाईवे पर बने डिवाइडर से उसकी बाइक टकरा गई। जिससे उसपे सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए राहगीरों की

मृतक प्रिंस फाइल – फोटो

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तुरंत मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने प्रिंस को मृत घोषित कर अरुण की हालत गंभीर देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। मृतक फाइनेंस कंपनी में काम करता था। और उसकी कुछ महीनो में शादी होने वाली थी। मृतक के परिवार में पिता राजकुमार होमगार्ड, भाई आयुष, दो बहनें श्वेता और शालिनी यादव है. जिनका रो-रो कर बुरा हाल है।

एनपीएल सीजन 2 क्रिकेट टूर्नामेंट में कैथी और नीलमथा ने सेमीफाइनल में बनाई जगह......

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। निगोहां स्थित एसएनटी ग्राउंड में चल रहे एनपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को खेले गए दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबले बेहद रोमांचक मौसम की स्थिति को देखते हुए आयोजकों द्वारा दोनों मैच 14-14 ओवरों के कराए गए जिसमें दर्शकों को आखिरी गेंद तक संघर्ष देखने को मिला पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला कैथी और करोरा टीम के बीच खेला गया कैथी टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया पहले बल्लेबाजी करने उतरी करोरा टीम ने निर्धारित 14 ओवरों में 117 रन बनाए लक्ष्य का पीछा करने उतरी कैथी टीम ने संतुलित बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 8 विकेट खोकर 118 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ कैथी टीम ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला उतरावां और नीलमथा टीम के बीच खेला गया उतरावां टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया और निर्धारित ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 149 रनों का मजबूत लक्ष्य खड़ा किया जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी नीलमथा टीम ने आक्रामक शुरूआत करते हुए शानदार खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने 8 विकेट खोकर 152 रन बनाते हुए मुकाबला जीत लिया और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।मैच के दौरान एसएनटी ग्राउंड पर बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया आयोजकों ने बताया कि अब टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले जल्द ही कराए जाएंगे जिनमें कैथी और नीलमथा की टीमें अन्य विजेता टीमों से भिड़ेंगी।

बेशकीमती सरकारी नवीन परती भूमि पर भूमाफियाओं का अवैध कब्जा, जांच रिपोर्ट पर उठे सवाल......

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। निगोहां क्षेत्र की भगवानपुर ग्राम पंचायत में हाईवे किनारे स्थित करोड़ों रुपये की सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे और निर्माण का गंभीर मामला सामने आया आरोप है कि गाटा संख्या 35मि. रकबा लगभग 9 बिस्वा जो सरकारी रिकॉर्ड खतौनी में नवीन परती भूमि के रूप में दर्ज उस पर पूर्व प्रधान सुरेंद्र दीक्षित और वर्तमान प्रधान अभयकांत दीक्षित द्वारा कब्जा कर कांप्लेक्स का निर्माण करा लिया गया इस संबंध में भगवानपुर के पूर्व प्रधान अंकुर मिश्रा उर्फ नीशू ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी शिकायत के आधार पर मामले की जांच लेखपाल भगवानपुर अंकिता सिंह एवं कानूनगो निगोहां शिव प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा की हालांकि शिकायतकर्ता का आरोप है कि जांच के दौरान न तो उन्हें कोई सूचना दी गई और न ही मौके पर बुलाया गया आरोप है कि लेखपाल और कानूनगो ने कथित कब्जाधारकों से मिलीभगत कर मनमाफिक नपाई करते हुए आधी-अधूरी अस्पष्ट भ्रामक और फर्जी रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड कर दी शिकायतकर्ता का कहना है कि जांच रिपोर्ट में यह दशार्या गया है कि निमार्णाधीन कांप्लेक्स के पीछे कुछ सरकारी भूमि खाली पड़ी है, जबकि मौके पर स्थिति इसके विपरीत है और सरकारी जमीन का बड़ा हिस्सा अवैध कब्जे में है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नियमानुसार मिलजुमला गाटा में पट्टाधारक और सरकारी भूमि दोनों को मार्ग से सटा हुआ भाग दिया जाना चाहिए लेकिन इस नियम की अनदेखी की गई अंकुर मिश्रा का कहना है कि उनकी शिकायत का मुख्य उद्देश्य सरकारी नवीन परती भूमि 9 बिस्वा को कब्जामुक्त कराना उसका विधिवत चिन्हांकन व सीमांकन कराना था लेकिन कथित रूप से भ्रष्टाचार और दबंग कब्जाधारकों के दबाव में आकर लेखपाल व कानूनगो ने उल्टी-सीधी रिपोर्ट लगाकर मामले को दबाने का प्रयास किया। शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया कि तहसीलदार को पूरे प्रकरण की जानकारी होने के बावजूद किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है इससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं आक्रोशित शिकायतकर्ता ने अब इस पूरे मामले की शिकायत मंडलायुक्त लखनऊ मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन तथा मुख्यमंत्री से करने की बात कही ताकि निष्पक्ष जांच कराकर सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराया जा सके और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सके।

गौशालाओं का भुगतान अटका गौ पालकों में खासा रोष व्याप्त

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। मोहनलालगंज विकास खण्ड के उतरावां गांव में मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना के तहत रजिस्टर्ड गौशालाओं को मिलने वाला भुगतान लंबे समय से लंबित चल रहा भुगतान न मिलने से गौ पालकों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया वहीं गौवंश के भरण-पोषण पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा उतरावां गांव निवासी गौ पालक हरी प्रताप सिंह ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर लंबित भुगतान जल्द दिलाए जाने की मांग की है शिकायती पत्र में उन्होंने बताया कि उनका गौ आश्रम अक्टूबर 2019 में उक्त योजना के अंतर्गत विधिवत रजिस्टर्ड किया गया था। इसके बावजूद नवंबर 2024 से अब तक रजिस्टर्ड गायों का भुगतान नहीं किया गया है। हरी प्रताप सिंह का कहना है कि लगातार भुगतान न मिलने से चारे दवाइयों देखरेख और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा उन्होंने यह भी बताया कि केवल उनका ही नहीं बल्कि क्षेत्र के कई अन्य गौ पालक भी वर्ष 2024 से भुगतान से वंचित हैं, जिससे सभी गौ पालकों में गहरी नाराजगी व्याप्त है। गौ पालकों का कहना है कि सरकार द्वारा गोवंश संरक्षण के लिए चलाई जा रही योजना सराहनीय लेकिन समय पर भुगतान न होने से योजना का उद्देश्य ही प्रभावित हो रहा यदि शीघ्र भुगतान नहीं कराया गया तो गौवंश के संरक्षण और पालन-पोषण में गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती है मामले को लेकर गौ पालकों ने प्रशासन से जल्द से जल्द भुगतान कराए जाने की मांग की ताकि गौवंश की उचित देखभाल सुनिश्चित की जा सके और गौ पालकों को आर्थिक राहत मिल सके।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत थाना बंथरा पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

अमन लेखनी समाचार/ शुभम सिंह चौहान संवाददाता

लखनऊ। थाना बंथरा पुलिस टीम द्वारा मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत बंथरा क्षेत्र के ग्राम औरवा में महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, आत्मरक्षा तथा महिला हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने उपस्थित महिलाओं को 1090, 181, 112, 108 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया तथा किसी भी प्रकार की असुरक्षा की स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को आत्मविश्वासी, सतर्क एवं निर्भीक रहने का संदेश देते हुए पुलिस ने कहा कि समाज में महिला सुरक्षा केवल पुलिस ही नहीं, बल्कि सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

महिला खाताधारक के खाते से निकल गए 22 लाख 96 हजार

लखनऊ। आशियाना थाना इलाके में संचालित एक निजी बैंक से महिला खाताधारक के खाते से बिना उसकी जानकारी के 22 लाख 96 हजार रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर हो गया।जिसकी जानकारी होने पर पीड़िता ने उक्त बैंक शाखा प्रबन्धक पर मिलीभगत का आरोप लगा मुकदमा दर्ज कराया है। आशियाना थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह ने बताया कि मूल रूप से दूखनाहा थाना-खीरो जिला-रायबरेली निवासी गीता सिंह के अनुसार उसका एफडी खाता एचडीएफसी बैंक शाखा आशियाना शाखा मे है। आरोप है कि बीते 10 अप्रैल को उसके उक्त बैंक खाते से 22 लाख 96 हजार रुपये बिना उनकी जानकारी के बैंक मैनेजर की मिलीभगत से निकाल दिये गए और उसके द्वारा पूछे जाने पर उक्त धनराशि सन्देश सिंह के नाम के व्यक्ति खाते में गया है।

पुरानी रंजिश में युवक पर लाठी-डंडों से हमला, दस लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पुरानी रंजिश को लेकर युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित रजनीकांत निवासी ग्राम अटौरा मलिहाबाद ने रहीमाबाद थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि सोमवार शाम वह अपने निजी कार्य से महदोइया गांव से घर लौट रहा था। इसी दौरान नबीनगर रोड स्थित सरकारी स्कूल नहर के पास उसके पड़ोस के रामेश्वर तिवारी, विवेक तिवारी, रामशंकर तिवारी और उनके साथ मौजूद सात अन्य अज्ञात लोगों ने उसका रास्ता रोक लिया। पीड़ित के अनुसार, सभी आरोपी लाठी-डंडों से लैस थे और गाली-गलौज करते हुए उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शोरगुल सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। रजनीकांत ने बताया कि मारपीट के दौरान उसका मोबाइल फोन मौके पर गिर गया, जिसके कवर में रखे 2100 रुपये नकद भी गायब हो गए। पीड़ित का आरोप है कि यह हमला पुरानी रंजिश के चलते किया गया। इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर तीन नामजद और सात अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है ।

सहिजनपुर मार्ग आवागमन से हुआ जर्जर, फ्लाईओवर निर्माण भी कछुए की चाल से

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बंथरा क्षेत्र के हरौनी से डीआरडीओ मार्ग होते हुए सहिजनपुर रेलवे क्रॉसिंग से सहिजनपुर गांव तक बनी डामर सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं, जिससे पिछले लगभग दो वर्षों से वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद न तो लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के जिम्मेदार अधिकारी कोई सुध ले रहे हैं और न ही कोई जनप्रतिनिधि सड़क मरम्मत को लेकर गंभीर नजर आ रहा है। कागजों में विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल विपरीत है। सड़क की बदहाल स्थिति स्थानीय लोगों के लिए रोजमर्रा की मुसीबत बन चुकी है। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के साथ-साथ स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को भी जोखिम भरे हालात में सफर करना पड़ रहा है। उधर, हरौनी रेलवे क्रॉसिंग पर निमार्णाधीन फ्लाईओवर का कार्य भी रेलवे विभाग के अड़ियल रवैए से कछुवे की चाल से फ्लाईओवर के लिए गर्डर खिसकाने का कार्य कई दिनों से चल रहा है। न तो रेलवे ब्लॉक मिल पा रहा है और न ही संबंधित अधिकारी आवश्यक सर्वे कार्य को गति दे रहे हैं। स्थिति यह है कि रेलवे फाटक अक्सर अनावश्यक रूप से लंबे समय तक बंद है जिससे सहिजनपुर मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। केवल पैदल यात्री ही किसी तरह निकल पाते हैं, जबकि वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसा प्रतीत होता है कि जनता की समस्याओं से संबंधित विभागों को कोई सरोकार नहीं है। स्थानीय लोगों में बढ़ती नाराजगी अब धीरे-धीरे उबाल पर पहुंच रही है, और यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता।

युवक ने घर पर ईंट पत्थर फेंक जान से मारने की दी धमकी.....

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। नागराम थाना क्षेत्र के करोरा गांव में एक युवक द्वारा दबंगई किए जाने का मामला सामने आया जहां गांव के ही एक युवक पर घर में ईंट-पत्थर फेंकने गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा पीड़ित ने डायल 112 पर सूचना देने के साथ नगराम थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की पीड़ित सतीश कुमार पुत्र स्वर्गीय बैजनाथ निवासी ग्राम करोरा ने पुलिस को बताया कि बीते शुक्रवार की शाम करीब सात बजे गांव का ही राजू पुत्र रामप्रसाद उनके घर पहुंचा और अनावश्यक गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि इसके बाद उसने घर पर ईंटें फेंकीं जिससे परिवार में अफरा-तफरी मच गई इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि नीरज त्रिवेदी को भी अभद्र गालियां दी गईं जिससे गांव में तनाव की स्थिति बन गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित ने तत्काल डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया पीड़ित ने तहरीर में आरोपी को आपराधिक प्रवृत्ति का बताते हुए उसके खिलाफ पहले से कई मुकदमे दर्ज होने की बात भी कही है पीड़ित का कहना है कि उसे आरोपी से लगातार जान-माल का खतरा बना हुआ और किसी भी समय कोई बड़ी घटना हो सकती है उसने थाना प्रभारी विवेक चौधरी से मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही जांच के बाद आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

संक्षेप

प्रतिबंधित पेड़ काट रहे 6 लोगों पर दर्ज हुआ मुकदमा

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के गांव दुबाई में छः लोगों पर प्रतिबंधित पेड़ काटने का मुकदमा दर्ज कर लकड़ी को सुपुर्दगी में दिया गया है। थाना अध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया कि 14 दिसंबर की सुबह सूचना मिली कि दुबाई मोड़ के पास आम के पेड़ काटे जा रहे हैं एस आई नरेंद्र सिंह, सिपाही रोहित सिंह तथा वन रक्षक सोनी दीक्षित मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखते ही ठेकेदार कृपाल पुत्र कंधई मौके से भाग निकला।बाग मालिक बाबूलाल पुत्र सरजू के पास परमिशन के पत्रजात नहीं थे।बाग मालिक, ठेकेदार दोनों लोगों के विरुद्ध वन संरक्षण अधिनियम का मुकदमा पंजीकृत किया गया है। बरामद लकड़ी को मुरारखेड़ा निवासी दुर्गा शंकर यादव के सुपुर्द की गई है।वहीं भैया खेड़ा निवासी पेड़ मालिक रामकिशोर पुत्र बदलू तथा ठेकेदार ध्यान सिंह पुत्र गोपी तथा किसौला थाना बिहार निवासी पराग पुत्र महावीर व शिवराज पुत्र छुन्नर के विरुद्ध प्रतिबंधित आम के पेड़ काटने का का मुकदमा वनरक्षक सोनी दीक्षित द्वारा दर्ज कराया गया है।

झांसे में लेकर दुकानदार से ठग ने 70 हजार कीमत की ले ली सीमेंट की बोरिया, दर्ज हुआ मुकदमा

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार कस्बे में हिंदुपुर निवासी अंकुर तिवारी पुत्र पप्पू तिवारी मौरंग सीमेंट की दुकान चलाते है।7 दिसम्बर को एक मोबाइल से फोन आने पर बीघापुर के पास चल रहे कंस्ट्रशन के काम में उनके द्वारा 70 हजार कीमत की दो सौ बोरी सीमेंट भेज दी गयी। ऑनलाइन पैसे भेजने के वादे पर उक्त मोबाइल नंबर स्विच ऑफ आने पर दुकानदार जब पैसा लेने बीघापुर पहुँचा तब काम करवा रहे ठेकेदार ने बताया सीमेन्ट के 66 हजार रुपये मोबाइल नं0 90411 वाले अज्ञात लड़के को दे दिये है।रविवार दोपहर पुनः मो० न० 91202 से फिर दो सौ बोरी सीमेन्ट सरेनी भेजने को फोन आया तब दुकान का काम देख रहे विपिन द्वारा सीमेंट भेजने पर जब मैं सीमेंट का पैसे लेने सरेनी पहुँचा तभी उक्त युवक देखते ही भाग निकला। पीड़ित द्वारा थाना बिहार को तहरीर दिए जाने पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया उक्त मोबाइल नम्बर के अज्ञात युवक पर धोखाधड़ी व टप्पेबाजी का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

अनियंत्रित ट्रक नहर में घुसा चालक, परिचालक घायल

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के मोहानझऔरास मार्ग पर घूरामऊ रजबहा के पास मंगलवार सुबह तीन बजे एक केमिकल लदा ट्रक अनियंत्रित होकर नहर में जा घुसा। हादसे में ट्रक चालक व परिचालक घायल हो गए।जालौन जनपद के कालपी निवासी ट्रक चालक मोहित यादव मुंबई से केमिकल लादकर संडीला फैक्ट्री जा रहा था। तभी घूरामऊ गांव के पास मंगलवार सुबह तीन बजे टेढ़ी पुलिया होने के कारण ट्रक चालक संतुलन खो बैठा और वाहन नहर में जा गिरा। दुर्घटना में चालक मोहित यादव और परिचालक सनी निवासी चंदौली जनपद हमीरपुर घायल हो गया। पुलिस दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गई जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने छुट्टी दे दी।कोतवाली प्रभारी शरद कुमार ने बताया कि हादसे में घायलों को हल्की चोटें आई थीं।

भीषण सड़क हादसे में फॉर्च्यूनर सवार चार यात्रियों की अकाल मौत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर मंगलवार को तड़के भीषण सड़क हादसे में फार्च्यूनर सवार चार यात्रियों की अकाल मौत हो गई। फॉर्च्यूनर सवार यात्री सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं। सभी कार्यकर्ता पार्टी के कार्यक्रम में गाजियाबाद से लखनऊ जा रहे थे। सूचना पर पहुंची यूपीडा रेस्क्यू टीम और पुलिस ने चारों शवों को सीधे पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया।

गाजियाबाद जनपद अंतर्गत कस्बा मोदी नगर के मोहल्ला राजनगर एक्सटेंशन निवासी अशोक अग्रवाल (57) पुत्र संतोष अग्रवाल, आकाश अग्रवाल (35) पुत्र विनोद अग्रवाल, अभिनव अग्रवाल (20) पुत्र सतीश अग्रवाल व एक अज्ञात सभी सुहेलदेव भारती समाज पार्टी के कार्यकर्ता थे। यह लोग पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होने फार्च्यूनर कार से लखनऊ जा रहे थे। रास्ते में आज मंगलवार को सुबह करीब छः बजे बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर किलोमीटर संख्या 240 ग्राम नसिरापुर के सामने हवाई पट्टी पर कार का दाहिना टायर अचानक फट गया। जिससे तेज रफ्तार कार हवाई पट्टी के डिवाइडर हेतु रखे सीमेंटेड बोल्डरों से जा टकराई। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए और कार चालक सहित उसपर सवार चारों यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

सड़क से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों की सूचना पर पहुंची यूपीडा रेस्क्यू टीम और पुलिस ने चार मृतकों में से तीन की शिनाख्त अशोक अग्रवाल 57 वर्ष पुत्र संतोष अग्रवाल, आकाश अग्रवाल 35 वर्ष पुत्र विनोद अग्रवाल व अभिनव अग्रवाल 20 वर्ष पुत्र सतीश अग्रवाल निवासी राज नगर एक्सटेंशन मोदी नगर गाजियाबाद के रूप में की है। जबकि एक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सीधे जिला अस्पताल उन्नाव भेज दिया और मृतकों के मोबाइल के जरिए घटना की सूचना उनके परिजनों को दी। बेहटा थाना प्रभारी मुन्ना कुमार ने बताया कि हादसा तेज गति से जा रही कार का दाहिना टायर फटने से हुई है। तीन मृतकों की पहचान हो सकी है और चौथे मृतक की शिनाख्त परिजनों के पोस्टमार्टम हाउस पहुंचने पर हो सकेगी। जबकि पुलिस उपाधीक्षक संतोष कुमार सिंह का कहना है कि चालक को अचानक झपकी आ जाने से कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई है।

आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर हुए हादसे में बोल्डरों से कार टकराते ही दोनों तरफ के एयर बैग खुल गई गए थे। किंतु टक्कर इतनी भीषण थी कि एयर बैग खुलने के बावजूद यात्रियों की जान नहीं बच सकी।

हादसा होते होते ही एक्सप्रेस वे के बाईं लेन पर करीब एक घंटे तक आवागमन अवरुद्ध रहा। यूपीडा रेस्क्यू टीम ने हाइड्रा के जरिए क्षतिग्रस्त कार को किनारे कर किसी तरह आवागमन बहाल कराया। गनीमत रही कि यूपीडा रेस्क्यू टीम और बेहटा पुलिस की तत्परता के चलते घने कोहरे के बावजूद और कोई हादसा नहीं हुआ।

बाइक दुर्घटना में एक युवक की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में उन्नाव हरदोई मार्ग पर स्थित रसोई गैस एजेंसी से निकले कर्मचारी की बाइक में तेज गति से आ रही अन्य बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से कर्मचारी सहित टक्कर मारने वाली बाइक सवार दो युवक सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची सरकारी एंबुलेंस तीनों घायलों को यहां के सरकारी अस्पताल लाई। जहां चिकित्सकों ने घायल एजेंसी कर्मचारी को नाजुक हालत में ट्रामा सेंटर लखनऊ और अन्य दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। ट्रामा सेंटर में देर रात इलाज के दौरान एजेंसी कर्मचारी की दर्दनाक मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के ग्राम सकरौली अंतर्गत मजरा धन्ना पुरवा निवासी कमलेश कुमार का बेटा सौरभ कुमार 26 वर्ष कोतवाली क्षेत्र के उन्नाव मार्ग पर स्थित अमित-सुमित रसोई गैस एजेंसी में चालक के पद पर कार्यरत था। वह बीते सोमवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे छुट्टी होने के बाद बाइक के जरिए अपने घर के लिए निकला था। वह ज्यों ही एजेंसी से उन्नाव हरदोई रोड पर पहुंचा, तभी अचानक उन्नाव की ओर से तेज गति से आ रही अन्य बाइक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। बताते हैं कि टक्कर मारने वाली बाइक पर सवार दोनों युवक मोबाइल पर बातें करते हुए आ रहे थे। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइकों पर सवार तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर घायल हो गए। एजेंसी कर्मियों की सूचना पर पहुंची सरकारी एंबुलेंस तीनों घायलों को यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई। जहां चिकित्सकों ने एजेंसी कर्मचारी की हालत नाजुक देखकर बेहोशी की हालत में उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। जबकि दूसरी बाइक के घायल सवार फैसल 30 वर्ष पुत्र नसीम निवासी ग्राम अतरधनी थाना बांगरमऊ कोतवाली और कबीर 32 वर्ष पुत्र जुम्मन निवासी ग्राम उनवां थाना सफीपुर को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। ट्रामा सेंटर लखनऊ में देर रात इलाज के दौरान एजेंसी कर्मचारी सौरभ कुमार की मौत हो गई। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अखिलेश चंद्र पांडेय ने बताया कि एजेंसी कर्मचारी की ट्रामा सेंटर लखनऊ में मौत हुई है। परिजनों की तरफ से तहरीर मिलते ही घटना की रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जाएगी। मौत की खबर मिलते ही मां माधुरी देवी दहाड़े मारकर रोने-बिलखने लगी। मृतक सौरभ कुमार तीन भाइयों सुमित और सुभम से छोटा था। जबकि इकलौती बहन अर्चना विवाहित है। पूरे परिवार का भरण-पोषण करने वाले सदस्य की अचानक मौत से परिजन रो-रोकर बेहाल हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। माखी थाना क्षेत्र के बिरसिंहपुर निवासी गोविंद यादव (45) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर हुए मानसिक तनाव के बाद उन्हें दिल का दौरा पड़ा, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। गोविंद यादव वर्तमान में लोकनगर में रह रहे थे। परिजनों के अनुसार, गोविंद यादव के बेटे महेंद्र ने परिवार के सदस्य देवेंद्र के हिस्से की जमीन बेच दी थी। बताया गया कि कुल 2 बीघा जमीन में से 1 बीघा जमीन का सौदा कर दिया गया था, जिसके कारण परिवार में विवाद बढ़ गया था। इसी जमीन विवाद के चलते गोविंद यादव काफी समय से परेशान थे। परिवार के सदस्यों का कहना है कि जमीन के बंटवारे और बिक्री को लेकर लगातार चल रहे तनाव के कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई और अचानक दिल का दौरा पड़ने से उनकी जान चली गई। गोविंद यादव मूल रूप से किसान थे और खेती-किसानी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। वह किसान यूनियन के सक्रिय सदस्य भी थे और किसानों की समस्याओं को लेकर बैठकों व आंदोलनों में नियमित रूप से हिस्सा लेते थे। क्षेत्र में उन्हें एक सरल, मिलनसार और मेहनती किसान के रूप में जाना जाता था। मृतक के परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। गांव के लोगों और किसान यूनियन से जुड़े साथियों ने गोविंद यादव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है और परिजनों को सांत्वना दी है। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और मौत के कारणों से जुड़े सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जा रहा है। पुलिस ने यह भी बताया कि यदि परिजन लिखित शिकायत देते हैं, तो आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, परिजनों ने जमीन विवाद की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

घने कोहरे के चलते सड़को पर वाहन चालकों को हुई परेशानी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मंगलवार सुबह उन्नाव में घने कोहरे ने जनजीवन को प्रभावित किया। सड़कों पर दृश्यता (विजिबिलिटी) घटकर महज 10 मीटर रह गई, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कोहरे के कारण सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई, जिसके चलते वाहन चालक सावधानी से सफर करते दिखे। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार सुबह जिले का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लगभग 8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और वातावरण में आर्द्रता का स्तर 69 प्रतिशत रहा। ठंडी हवाओं और नमी के कारण ठिठुरन बढ़ गई, जिससे लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आए। घने कोहरे का सर्वाधिक असर नेशनल हाईवे-24 पर दिखा, जहां वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। हाईवे पर वाहन रेंगते हुए आगे बढ़ रहे थे। कई स्थानों पर चालकों ने फॉग लाइट और हेडलाइट जलाकर धीमी गति से यात्रा की। यातायात पुलिस ने भी वाहन चालकों को सतर्क रहने, सुरक्षित दूरी बनाए रखने और तेज गति से बचने की सलाह दी। कोहरे का प्रभाव रेल यातायात पर भी स्पष्ट रूप से पड़ा। दृश्यता कम होने के कारण ट्रेनों की गति सीमित कर दी गई, जिससे कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से काफी देरी से चलीं। इससे यात्रियों को रेलवे स्टेशनों पर लंबा इंतजार करना पड़ा। यात्रियों ने ठंड और कोहरे के बीच प्लेटफॉर्म पर इंतजार को कठिन बताया। मौसम विभाग ने आगामी तीन दिनों तक घने कोहरे की संभावना को देखते हुए अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, सुबह और देर रात को कोहरा और भी घना हो सकता है, जिससे सड़क और रेल दोनों यातायात प्रभावित होने की आशंका है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि कोहरे के दौरान अत्यंत आवश्यक होने पर ही यात्रा करें और सुरक्षा नियमों का पालन करें। दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग, धीमी गति और पर्याप्त दूरी बनाए रखना बेहद जरूरी है। वहीं, आमजन को भी ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनने और सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

कोतवाली परिसर में सीओ ने किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली परिसर में क्षेत्राधिकारी अरविंद चौरसिया ने मंगलवार को निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महिला हेल्प डेस्क पर मौजूद पीड़ित महिलाओं से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। मोहान कस्बा के सलखेमऊ मोहल्ला निवासी सरोजनी पत्नी शनि पति-पत्नी के आपसी विवाद के मामलों में काउंसलिंग कराकर आपसी सुलह कराई।सीओ ने मिशन शक्ति के अंतर्गत बनाए गए आगंतुक रजिस्टर का भी निरीक्षण किया और महिला कांस्टेबलों को डेस्क के रख-रखाव सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कोतवाली प्रभारी शरद कुमार, एसएसआई इशरत हुसैन आदि लोग मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय गोष्ठी का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मंगलवार दोपहर पुलिस लाइन सभागार में एक महत्वपूर्ण जनपद स्तरीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने की, जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान जनपद के सभी चौकी प्रभारियों को अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था और जनसुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने गोष्ठी में स्पष्ट किया कि जनपद में अपराध की रोकथाम सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आम जनता में सुरक्षा की भावना मजबूत हो सके। एसपी ने कहा कि किसी भी आपराधिक घटना को गंभीरता से लिया जाए और त्वरित कार्रवाई कर अपराधियों को कानून के दायरे में लाया जाए। महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराधों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि महिला संबंधी अपराधों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसी घटनाओं का शीघ्र अनावरण कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही पीड़ितों के साथ संवेदनशील और मानवीय व्यवहार करने पर भी जोर दिया गया। गोष्ठी में जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने पर भी चर्चा हुई। पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त बढ़ाएं, संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखें और किसी भी अफवाह या तनाव की स्थिति में तुरंत प्रभावी कदम उठाएं। त्योहारों और विशेष अवसरों के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने जनता के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि थानों और चौकियों पर आने वाली शिकायतों का शीघ्र, निष्पक्ष और विधिक निस्तारण किया जाए, जिससे आम नागरिकों का पुलिस पर भरोसा और मजबूत हो। लंबित विवेचनाओं को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने तथा वांछित अपराधियों और वारंटियों की गिरफ्तारी में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह ने भी गोष्ठी को संबोधित करते हुए सभी चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में जिम्मेदारी और ईमानदारी से कार्य करने को कहा। उन्होंने पुलिस की कार्यशैली को जनोन्मुखी बनाने पर जोर दिया।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो सगे भाइयों को मारी टक्कर, एक की मौत, दूसरा घायल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र अंतर्गत आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक सड़क हादसा हुआ। मंगलवार शाम एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो भाइयों को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में बड़े भाई सर्वेश सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छोटा भाई प्रदीप सिंह मामूली रूप से घायल हो गया।

यह घटना मंगलवार शाम लगभग 6:30 बजे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर संख्या 253 स्थित शादीपुर गांव के निकट हुई। महाराजगंज से हरदोई जा रहे सर्वेश सिंह (40 वर्ष) और उनके छोटे भाई प्रदीप सिंह (28 वर्ष) बाइक पर सवार थे। पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक ट्रक के अगले हिस्से में फंस गई और लगभग 100 मीटर तक घसीटती चली गई।

मृतक सर्वेश सिंह और घायल प्रदीप सिंह जनपद रायबरेली के थाना महाराजगंज, पोस्ट सिकंदरपुर, पूरे चौपसिंह गांव के निवासी थे। वे दोनों पैनल का काम करते थे और इसी सिलसिले में महाराजगंज से हरदोई जा रहे थे। यह काम उनके परिवार के भरण-पोषण का मुख्य जरिया था।

हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने यूपीडा टीम को सूचना दी। यूपीडा की टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने सर्वेश सिंह को मृत घोषित कर दिया, जबकि प्रदीप सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद मामूली चोटों के साथ छुट्टी दे दी गई।मृतक सर्वेश सिंह की शादी 2013 में हुई थी। उनके परिवार में पत्नी मीना सिंह, 10 वर्षीय बेटी परी और 8 वर्षीय बेटा रुद्र प्रताप सिंह हैं। इस घटना के बाद से पूरे परिवार में शोक का माहौल है।

शौच क्रिया को घर से निकली किशोरी का जंगल में पड़ा मिला शव

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के हुलासी खेड़ा में घर से सुबह 7:00 बजे शौच को निकली नाबालिक छात्रा का शव गांव के बाहर स्थित जंगल में पाए जाने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिएभेजा है। बिहार थाना क्षेत्र के गांव हुलासी खेड़ा कुतुबपुर निवासी देशराज की 14 वर्षीय पुत्री मंगलवार को सुबह 7:00 बजे शौच के लिए घर से बाहर गई थी। काफी देर तक घर वापस न लौटने पर पारिवारिक जनों ने लड़की की गांव व गांव के बाहर खोजबीन की। गांव के बाहर पोखरी जाने वाले मार्ग पर पड़ने वाले जंगल में पायल का शव गांव के एक ही बच्चे ने पड़ा देखकर ग्रामीणों को सूचना दी । सूचना पाकर पहुंचे परिजनों ने बेटी के शव को उठाकर घर लाने के बाद मामले की जानकारी 112 पुलिस को दी ।शव मिलने के बाद गांव में सन्नाटा छा गया। मृतका बालिका के गले में चोट के निशान से दुपट्टे से उसका गला घोट कर हत्या किए जाने की चचाएं है। ऐसा कयास लगाया जा रहा है। मृतका कक्षा चार की छात्रा थी और गांव के ही प्राइमरी विद्यालय में पढ़ती थी। मृतका की माता कुसमा दिमाग से और-पिता पैर से विकलांग हैं। मृतका के एक 6 वर्ष का भाई मयंक उर्फ राम जी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। सूचना पाकर पहुंची फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। थाना प्रभारी राहुल सिंह गौर ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु के कारण का पता लगेगा। मृतका के पिता की ओर से प्रार्थना पत्र दिया गया है, जिसमें पुत्री की हत्या कर दिए जाने का आरोप लगाया गया है।

जिला कृषि अधिकारी ने उर्वरक दुकानों का किया औचक निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उर्वरकों की कालाबाजारी और अनियमित बिक्री पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला कृषि अधिकारी शशांक ने नवाबगंज क्षेत्र में स्थित विभिन्न उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस कार्रवाई से उर्वरक विक्रेताओं में हड़कंप मच गया और कई प्रतिष्ठानों पर गंभीर खामियां सामने आईं। जिला कृषि अधिकारी ने नवाबगंज क्षेत्र के सिंह खाद भंडार भल्ला फार्म, रुखसार एग्री जंक्शन जाकिम खेड़ा, साधन सहकारी समिति ईटबरपुर, तिवारी खाद भंडार नवाबगंज, रामघाट केंद्र सिरसा रोड, साधन सहकारी समिति नवाबगंज और द्विवेदी खाद भंडार कुसुंबी रोड का निरीक्षण किया। इस दौरान स्टॉक, वितरण रजिस्टर, बिक्री प्रक्रिया और निर्धारित मानकों का गहन परीक्षण किया गया। निरीक्षण में सिंह खाद भंडार भल्ला फार्म पर संस्तुत मात्रा का बैनर नहीं लगा पाया गया, जिसके लिए नोटिस जारी करने की संस्तुति की गई। वहीं, रुखसार एग्री जंक्शन नवाबगंज के वितरण रजिस्टर की जांच के दौरान एक किसान से रेंडम आधार पर बात की गई। किसान ने आरोप लगाया कि उसे उर्वरक अधिक मूल्य पर बेचा गया है, जिस पर संबंधित विक्रेता को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसी क्रम में तिवारी खाद भंडार नवाबगंज पर वितरण रजिस्टर प्रमाणित नहीं पाया गया और रजिस्टर में किसानों के मोबाइल नंबर भी अंकित नहीं थे, जिसके कारण नोटिस जारी की गई। रामघाट खाद केंद्र सिरसा रोड पर भी संस्तुत मात्रा का बैनर नहीं लगाया गया था, जिसे गंभीर लापरवाही मानते हुए नोटिस जारी करने की कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त, द्विवेदी खाद भंडार नवाबगंज पर भी बैनर न लगाए जाने और वितरण रजिस्टर में किसानों के मोबाइल नंबर दर्ज न होने की खामी पाई गई, जिस पर नोटिस निर्गत किया गया। जिला कृषि अधिकारी शशांक ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए कि किसानों को उनकी जोत और भूमि के अनुसार ही उर्वरकों का वितरण किया जाए। उन्होंने कहा कि स्टॉक और वितरण रजिस्टर पूर्ण, प्रमाणित और अद्यतन रखे जाएं, साथ ही उर्वरकों का भंडारण और रखरखाव निर्धारित मानकों के अनुरूप हो। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के अंतर्गत कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विक्रेता की होगी।

पर्यटन से होगा आधा दर्जन ब्लाको में सौन्दरीकरण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। लखनऊ कानपुर हाइवे पर स्थित चंद्रशेखर आजाद पक्षी विहार में ईको टूरिज्म बना कर और अधिक विकसित करने के लिए शासन से 2 करोड़ 80 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। जिसका कार्य युद्ध स्तर पेपर चालू है। स्वीकृत बजट में रेनोवेशन फूड कियोस्क ए सीपीएन्ट लैंड स्केपिंग फसाद लाइट ए आर वी आर डोम व साइनेज सहित कार्य कराए जाएंगे । पक्षी विहार को और अधिक विकसित करने के लिए लैंड स्केपिंग में कृतिम पहाड़ घाटियां मैदान और पठार बनाये जाएंगे ।जिसका पर्यटक वास्तविक दुनिया का अनुभव करेंगे ।आडिटोरियम बनाया जाएगा। जहां देसी विदेशी पक्षियों के बारे में पर्यटकों को जानकारी मिलेगी रेनोवेशन कार्य मे कैफेटेरिया की मरम्मत व आधुनिक साज सज्जा से सौन्दरी करण किया जाएगा। फूड कियोस्क में एक पोर्टेबल फूड बूथ बनाया जाएगा ।जिसमे देसी विदेशी ब्यानजं का स्वाद पर्यटक ले सकेंगे। साइनेज में पक्षी विहार के बारे में जानकारी दी जाएगी। कार्य को नवम्बर 026 तक पूरा किया जाएगा। निरीक्षण करने पहुंचे जिला पर्यटन अधिकारी सन्तोष सिंह ने बताया पर्यटन विभाग की राज्य योजना वर्ष 2025-26 अन्तर्गत जनपद उन्नाव के तहसील बीघापुर में विकास खण्ड पुरवा के ग्राम मुलाहिमपुर में स्थित बनना देवी मन्दिर हेतु रू0 75.58 लाख, तहसील सदर के विकास खण्ड सिरोसी में ठाकुर द्वारा मन्दिर हेतु रू0 74.15 लाख एवं तहसील सफीपुर के विकास खण्ड फतेहपुर चौरासी की ग्राम पंचायत पट्टी उस्मान में स्थित बिन्देश्वर महादेव मन्दिर हेतु रू0 74.08 लाख की लागत से पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण कराये जाने के साथ ही संस्कृति विभाग की मद से अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद जी की जन्मस्थली बदरका में मल्टीपर्पज हॉल एवं अन्य सुविधाओं के निर्माण हेतु स्वीकृत धनराशि रू0 618.44 लाख के सापेक्ष प्रथम किश्त रू0 200.00 लाख के उपभोग के उपरांत द्वितीय किश्त के रूप में रू0 300.00 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिला पर्यटन अधिकारी/सचिव, जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद, उन्नाव, संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण योजनान्तर्गत पर्यटकों एवं तीर्थयात्रियों हेतु यात्री हॉल, सुलभ प्रसाधन, सोलर पैनल, सोलर लाइट, आरसीसी बेंच, डस्टबिन, साइनेज, पेयजल, इण्टरलॉकिंग, हार्टीकल्चर एवं लैंडस्केपिंग आदि का कार्य किया जाएगा।

मकान के बंटवारे को लेकर देवर ने भाभी को हथौड़े से वार कर उतारा मौत के घाट

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सोहरामऊ थाना क्षेत्र के ग्राम गोडवा मजरा लालाखेड़ा में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक महिला की हत्या उस समय कर दी गई, जब वह अपने देवर के साथ पुस्तैनी मकान के बंटवारे को लेकर विवाद कर रही थी। इस घटना में मृतका की पहचान सुनीता (45 वर्ष) के रूप में हुई है, जो नरेश की पत्नी और रामू की भाभी बताई जाती हैं।ग्रामीणों के अनुसार, दोपहर में सुनीता और उसके देवर रामू के बीच बंटवारे को लेकर विवाद हो गया। इस बीच सुनीता ने अपनी जान को खतरा महसूस करते हुए डायल 112 पर पुलिस से मदद मांगी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझाया और फिर लौट गई। लेकिन पुलिस के जाते ही आरोपी रामू का गुस्सा हिंसा में बदल गया और उसने हथौड़े से ताबड़तोड़ वार करके सुनीता की हत्या कर दी।इस वक्त महिला का पति नरेश काम के सिलसिले में घर से बाहर था, जिसका लाभ उठाकर रामू ने वारदात को अंजाम दिया। परिजन उसे जीवित समझते हुए नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही सोहरामऊ थाना पुलिस के साथ-साथ अजगैन कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने इलाके में और कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए सुरक्षा बढ़ा दी है। क्षेत्राधिकारी हसनगंज अरविंद कुमार चौरसिया ने बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते यह हत्या हुई है। शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।इस घटना ने पूरे इलाके को दहला दिया है और लोग इस खौफ नाक वारदात को लेकर हैरान हैं।

सचिवों ने अपने अपने जमा किए डोंगल विकास कार्यों के भुगतान में होगी देरी

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। विकास खंड गंजमुरादाबाद में ऑनलाइन उपस्थित व गैर विभागीय कार्य लिए जाने का विरोध करते चले आ रहे सचिवों द्वारा सोमवार को अपने डोंगल ब्लाक कार्यालय में जमा कर दिए गए जिससे कराए गए विकास कार्यों का भुगतान लटकने की आशंका से क्षेत्रीय प्रधान व कार्यदाई संस्था के लोगों खासा असमंजस की स्थित बनी हुई है। ज्ञात हो संगठन के बैनर तले ब्लाक कार्यालय में कार्यरत सभी सचिव पिछले काफी दिनों से ऑनलाइन उपस्थित व गैर विभागीय कार्य लिए जाने का विरोध प्रदर्शन करते चले आ रहे थे जिसके क्रम में सभी सचिवों द्वारा सोमवार अपने डोंगल ए डी ओ पंचायत के पास जमा कर दिए है जिससे भुगतान प्रक्रिया पूरी तरह से ठप हो गई है अब पिछले दो दिनों से तमाम क्षेत्रीय प्रधान व विकास कराने वाले कार्यदाई संस्था के लोग भुगतान लटकने की आशंका से इधर उधर भटकते फिर रहे है लोगो की माने तो इस दौरान भुगतान कराने की बात को लेकर कार्यदाई संस्था के लोगों व सचिवों के बीच तीखी नोंकझोंक तक की स्थित उत्पन्न हो चुकी है यदि भुगतान प्रक्रिया ज्यादा दिन तक प्रभावित रही तनाव की स्थित उत्पन्न हो सकती है।

भारतवर्ष अपने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। बंकिम चंद्र चटर्जी (चट्टोपाध्याय) द्वारा रचित इस गीत की पंक्तियों में भारतीयता का ओज और राष्ट्रप्रेम के प्रति अटूट जज्बा है। आज़ादी की लड़ाई के दौरान करोड़ों भारतीयों के लिए यह गीत संघर्ष, चेतना और आत्मबल का प्रतीक रहा, लेकिन इतने दशकों के बाद यह गीत एक बार फिर राजनीतिक और वैचारिक टकराव के केंद्र में आ गया है। भाजपा का आरोप है कि आजादी की लड़ाई के शुरुआती दौर से ही कांग्रेस ने इस गीत के साथ अन्याय किया है और आजादी के बाद भी सम्पूर्ण गीत को न लेकर इसके एक अंश को ही राष्ट्रगीत के रूप में मान्यता दी। उधर, कांग्रेस का कहना है कि ऐसा किसी द्वेषवश नहीं, बल्कि उस वक्त सभी धर्मावलंबियों की भावनाओं को ध्यान में रखकर किया गया था। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि भला इस गीत से किसी मजहब और संप्रदाय को किस तरह चोट पहुंच सकती है? संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम् पर हुई बहस ने निस्संदेह देश के अंदर बहुत बड़े वर्ग में देश भक्ति का भाव गहरा किया है तो दूसरी ओर क्षोभ और गुस्सा भी पैदा हुआ है। अच्छा होगा, अगर इस को धर्म और राजनीति से जरा दूर ही रखा जाए। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

'वंदे मातरम्' पर विपक्ष का प्रवंचना भाव

विश्लेषण

अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ स्तंभकार

चारों ओर वंदे मातरम् की गूंज से भारतीयता का सनातन भाव गुंजायमान है, लेकिन विडंबना है कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम् का उच्चतर भाव कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा है। वे संसद से लेकर सड़क तक कुतर्कों का सहारा लेकर किस्म-किस्म की प्रवंचना से विरोध की प्रस्तावना खींच रहे हैं। यह ठीक नहीं है। उन्हें समझना होगा कि वंदे मातरम् किसी धर्म या मजहब का समर्थन या विरोध का भाव नहीं है। यह मातृभूमि के प्रति समर्पण, त्याग और बलिदान का वह निश्छल भाव है जिसे विचारों का हथियार बनाकर आजादी के दीवानों ने मातृभूमि को आजाद करवाया।

भारतवर्ष वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। चारों ओर वंदे मातरम् की गूंज से भारतीयता का सनातन भाव गुंजायमान है, लेकिन विडंबना है कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम् का उच्चतर भाव कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा है। वे संसद से लेकर सड़क तक कुतर्कों का सहारा लेकर किस्म-किस्म की प्रवंचना से विरोध की प्रस्तावना खींच रहे हैं। यह ठीक नहीं है। उन्हें समझना होगा कि वंदे मातरम् किसी धर्म या मजहब का समर्थन या विरोध का भाव नहीं है। यह मातृभूमि के प्रति समर्पण, त्याग और बलिदान का वह निश्छल भाव है जिसे विचारों का हथियार बनाकर आजादी के दीवानों ने मातृभूमि को आजाद कराया। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् केवल शब्द भर नहीं हैं बल्कि इसमें राष्ट्र की संस्कृति, इतिहास, कला, साहित्य और ज्ञान-विज्ञान का वह भाव समाहित है जो भारत राष्ट्र की निरंतरता और चेतना को उद्घाटित करता है। इसके प्रकटीकरण से राष्ट्र की गरिमा और गौरव में वृद्धि होती है। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित इस गीत की पंक्तियों में भारतीयता का ओज और राष्ट्रप्रेम के प्रति अटूट जज्बा है।

राष्ट्रीय एकता का भाव

यह गीत अपने आगोश में संपूर्ण भारत की विविधता और विशेषता को समेटे हुए है। इसमें मातृभूमि के प्रति अनुरक्ति, समर्पण और उदात्त भावनाएं निहित हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह कि वंदे मातरम् का विरोध करते हुए आज फिर वहीं लोग दिख रहे हैं जिन्होंने सत्ता-सिंहासन पर आसीन रहते हुए गीत के कुछ हिस्सों, खासकर मां दुर्गा की स्तुति करने वाले छंदों को काट-छांटकर राष्ट्रीय एकता के भाव को नष्ट-विनष्ट कर दिया। उल्लेखनीय है कि 1937 में कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में पं. जवाहरलाल नेहरु ने सुभाषचंद्र बोस को लिखे एक पत्र में कहा था कि वंदेमातरम् के कुछ छंद मुसलमानों को नाराज कर सकते हैं। नतीजा यह हुआ कि वंदेमातरम् गीत के सिर्फ पहले के दो छंदों को ही अपनाया गया। आज अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस पार्टी पर इस गीत को टुकड़े-टुकड़े करने का आरोप लगा रहे हैं तो उचित ही है। शास्त्रों में माता और मातृभमि को सर्वोपरि माना गया है। कहा गया है कि 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरियसी' यानी माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। वंदे मातरम् में यही भाव निहित है। वंदेमातरम गीत के इतिहास में जाएं तो 7 नवंबर 1875 को बंगाल के कांतल पाड़ा गांव में बंकिम चंद्र चटर्जी ने इस वंदेमातरम गीत की रचना की। मूल रूप से वंदे मातरम् के प्रारंभिक दो पद संस्कृत में थे और शेष गीत बांग्ला में। दिसंबर 1905 में कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक में गीत को राष्ट्रगीत का दर्जा प्रदान किया गया और बंगाल विभाजन के समय यह गीत राष्ट्रीय नारा बन गया।

जिन्ना ने किया था विरोध

कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में रविंद्र नाथ टैगोर ने इसका संशोधित रूप प्रस्तुत किया। 1923 में कांग्रेस अधिवेशन में मोहम्मद अली जिन्ना द्वारा इस्लाम की भावना के विरुद्ध बताकर वंदे मातरम् गीत का विरोध किया, लेकिन पंडित जवाहरलाल नेहरु, सुभाषचंद्र बोस, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद और आचार्य नरेंद्र देव की समिति ने 28 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में पेश अपनी रिपोर्ट में इस राष्ट्रगीत के दो पहले पैराग्राफ को राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकृति दे दी। 1936 में भी महात्मा गांधी ने वंदे मातरम् गीत के बारे में कहा कि-'कवि ने हमारी मातृभूमि के लिए जो अनेक सार्थक विशेषण प्रयुक्त किए हैं, वे एकदम अनुकूल हैं, इनका कोई सानी नहीं है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन विशेषणों को यथार्थ में बदलें। मुझे कभी ख्याल नहीं आया कि यह गीत सिर्फ हिंदुओं के लिए रचा गया है।' यहां ध्यान देना होगा कि 1906 से 1911 तक यह गीत पूरा गाया जाता था। इस गीत में वह ताकत थी कि ब्रिटिश हुकूमत को बंगाल विभाजन का फरमान वापस लेना पड़ा। क्रांतिकारियों ने इस वंदे मातरम् आदर्श नारे को अपने संस्कार में ढाला और गीत के जरिए आजादी की जंग को गति देकर भारतीय जनमानस में जागृति पैदा की।

हर देश में राष्ट्रगीत का गायन

लोगों को लामबंद किया और ब्रिटिश राजसत्ता को उखाड़ फेंका। भगत सिंह, मदनलाल ढींगरा, राजगुरु और बिस्मिल जैसे क्रांतिकारियों ने वंदे मातरम् की आवाज लगाकर फांसी के फंदे को चूम लिया। गौर करें तो भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के हर देश में राष्ट्रगीत का गायन होता है। इस्लामी देशों में भी राष्ट्रगीत को समादर प्राप्त है और वह मातृभूमि को समर्पित है। अरबी में मातृभूमि को मादर-ए-वतन कहा जाता है जिसका मतलब मां से है। फारसी में मातृभूमि की उपमा मां से की गयी है। यमन के राष्ट्रगीत में झरनों की तुलना मां के दूध से की गई है। मिश्र के राष्ट्रगीत में मातृभूमि की तुलना मां से की गयी है। इसी तरह मलेशिया, सूडान, अरब, जार्डन सभी देशों में राष्ट्रगीत की परंपरा है और उसे किसी न किसी रूप में मातृभूमि और मां से जोड़ा गया है, तो क्या यह समझा जाए कि ये मुस्लिम देश इस्लाम की भावना का अनादर कर रहे हैं? बिल्कुल ही नहीं। फिर आज वंदे मातरम् के 150 वर्ष के जश्न पर ऐतराज और काली सियासत क्यों? क्यों न माना जाए कि कुछ मुठ्ठी भर लोग वंदे मातरम् गीत पर सवाल खड़ा करके क्रांतिकारियों का अपमान कर रहे हैं? उन्हें समझना होगा कि वंदे मातरम् गीत राष्ट्रीयता का स्वर है। साथ ही क्रांतिकारियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि भी।

राजनीतिक संकीर्णता का दायरा

इस गीत का विरोध आजादी के दिवानों का विरोध है। साथ ही राष्ट्रीयता की भावना पर कुठाराघात भी। यह ठीक नहीं है कि कुछ सियासी दल और तथाकथित संगठन अपने राजनीतिक फायदे के लिए वंदे मातरम् गीत को राजनीतिक संकीर्णता के दायरे में रखकर इस्लाम की मान्यताओं के खिलाफ प्रचारित कर रहे हैं। भला इस गीत से किसी मजहब और संप्रदाय को किस तरह चोट पहुंच सकती है? उचित होगा कि वे संकीर्णताओं के केंचूल से बाहर निकलकर राष्ट्रगीत वंदे मातरम् पर काली सियासत न करें। सामाजिक वातावरण विषाक्त बनता है। गत वर्ष पहले मध्यप्रदेश की कमलनाथ सरकार ने भी वंदे मातरम् के गायन पर पाबंदी थोप दी थी लेकिन जब इस निर्णय की आलोचना हुई तब यू-टर्न लेते हुए फैसला लिया गया कि हर महीने के पहले कार्य दिवस पर पुलिस बैंड की धुनों पर वंदे मातरम् गाया जाएगा। गत वर्ष जब मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को तमिलनाडु के स्कूलों में सप्ताह में दो बार गायन को अनिवार्य किया, तब भी कुछ सियासी दलों ने हायतौबा मचाना शुरू किया था। इसे मजहबी फ्रेम में फिट कर इस्लाम की भावना के विरुद्ध सियासी शोर में बदलने की कोशिश की गई। आज की तारीख में भी कुछ ऐसा ही उपक्रम देखने को मिल रहा है।

राष्ट्रीय गीत पर क्यों हो रही राजनीति

विवाद

रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

वंदे मातरम को लेकर देश की राजनीति में एक बार फिर उबाल आ गया है। यह वही गीत है, जो आज़ादी की लड़ाई के दौरान करोड़ों भारतीयों के लिए संघर्ष, चेतना और आत्मबल का प्रतीक रहा, लेकिन 150 वर्ष बाद यह गीत एक बार फिर राजनीतिक और वैचारिक टकराव के केंद्र में आ गया है। बीते महीने सात नवंबर को 'वंदे मातरम्' गीत के 150 साल पूरे होने पर दिल्ली में एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने इस गीत के साथ तोड़-मरोड़ की। उन्होंने कहा कि 1937 में नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने मूल 'वंदे मातरम्' गीत से महत्वपूर्ण पद हटा दिए थे। 'वंदे मातरम्' को टुकड़ों में तोड़ दिया गया। इसने विभाजन के बीज भी बो दिए। यह अन्याय क्यों किया गया? वही विभाजनकारी विचारधारा आज भी राष्ट्र के लिए एक चुनौती बनी हुई है। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी स्कूलों में वंदे मातरम् के गायन को अनिवार्य करने का ऐलान कर मामले को और तूल दे दिया है। गोरखपुर में एकता पदयात्रा के दौरान योगी आदित्यनाथ ने ये घोषणा की और कहा कि कोई भी धर्म राष्ट्र से ऊपर नहीं है। योगी आदित्यनाथ की घोषणा पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तो आ ही रही हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से कांग्रेस पार्टी पर वंदे मातरम् गीत के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया है, उसे लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। बहरहाल, संसद के दोनों सदनों में भी इस राष्ट्रगीत पर लंबी-चौड़ी चर्चा हुई। लोकसभा में पीएम मोदी ने इस दौरान कई दावे किए। उन्होंने इस चर्चा के दौरान महात्मा गांधी से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना का जिक्र किया। पीएम मोदी ने सवाल किया कि जब बापू को वंदे मातरम् नेशनल एंथम के रूप में दिखता था तो इसके साथ अन्याय क्यों हुआ? उन्होंने कांग्रेस पर सामाजिक समरसता की आड़ में इस गीत को तोड़ने का आरोप लगाया और कहा कि वह अभी भी तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। वहीं विपक्ष ने स्वतंत्रता आंदोलन में आरएसएस की भूमिका पर सवाल उठाए और कहा कि कांग्रेस पार्टी ने ही 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया था।

1870 के दशक में लिखा गया यह गीत आज भी देश के राजनीतिक गलियारों में एक खास जगह रखता है और इस पर अलग-अलग पार्टियों के अपने विचार हैं। खैर, आज की राजनीति भावनाओं को बहुत तेजी से भुनाती है।

हालांकि, विपक्ष ने कहा है कि सरकार पश्चिम बंगाल चुनाव के मद्देनजर वंदे मातरम् को मुद्दा बनाना चाहती है और इसके छंदों को हटाने पर राजनीति कर रही है। अहम सवाल यह है कि डेढ़ सौ साल पुराने इस मुद्दे को अचानक राजनीति और विवाद को केंद्र में लाने के पीछे वजह क्या है, इस पर भी सवाल उठ रहे हैं। माना जा रहा है कि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव हैं। बीजेपी इस चुनाव में किसी भी तरह जीत हासिल करना चाहती है। इससे पार्टी को उम्मीद है कि वह तृणमूल कांग्रेस को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सवाल पर घेर सकेगी। वहीं, कांग्रेस, टीएमसी और समाजवादी पार्टी जैसी विपक्षी पार्टियां इस बहस में आरएसएस की स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका और हिंदुत्व विचारधारा से जुड़े कुछ नेताओं के राष्ट्रीय प्रतीकों पर पुराने बयानों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। विपक्ष का आरोप है कि बीजेपी सांस्कृतिक प्रतीकों का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है ताकि मौजूदा आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। साफ है, 1870 के दशक में लिखा गया यह गीत आज भी देश के राजनीतिक गलियारों में एक खास जगह रखता है और इस पर अलग-अलग पार्टियों के अपने विचार हैं। खैर, आज की राजनीति भावनाओं को बहुत तेजी से भुनाती है। एक नारा, एक गीत, एक इतिहास का पन्ना और फिर उसे वोट की शक्ल दे दी जाती है। प्रधानमंत्री जब कांग्रेस पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हैं और विपक्ष जब सत्ता पक्ष पर इतिहास के अपहरण का आरोप लगाता है, तो आम आदमी कहीं बीच में खड़ा रह जाता है। एक साधारण नागरिक यही सोचता है कि क्या यह बहस उसकी महंगाई, बेरोजगारी, प्रदूषण और हवाई टिकट की कीमतें कम कर देगी। एक तरफ हम अतीत के गौरव में खड़े होकर ताली बजा रहे हैं, दूसरी तरफ वर्तमान की परेशानी दरवाजे पर खड़ी है। राजनीति अक्सर यही करती है। वह भावनाओं की रोशनी में हकीकत की छाया को ढक देती है। अब प्रश्न उत्पन्न होता है कि क्या हम आज भी इस संविधान की भावना के अनुकूल देश की दशा और दिशा तय कर रहे हैं या नहीं? दरअसल, वंदे मातरम पर संसद की बहस हमें किसी एक निष्कर्ष तक नहीं पहुंचाती है, बल्कि कई सवालों के बीच खड़ा कर देती है।

वंदे मातरम् को क्रान्ति गीत ही रहने दीजिए

मंथन

सुनील अमर
स्वतंत्र पत्रकार

लगभग डेढ़ सौ वर्ष पहले लिखा गया 'वंदे मातरम्' एक अद्भुत राष्ट्रीय गीत है। कुल छह छन्दों वाले इस संस्कृतनिष्ठ बांग्ला भाषा के गीत के पहले दो छंद तो खासकर बहुत ही मनमोहक और हृदयंगम हैं और इन्हें ही राष्ट्रगीत के रूप में लिया गया है। भाजपा नीत केंद्र सरकार द्वारा इस गीत के खंडित व सम्पूर्ण स्वरूप को लेकर इन दिनों सड़क से संसद तक बहस चलाई जा रही है। भाजपा का आरोप है कि आजादी की लड़ाई के शुरुआती दौर से ही कांग्रेस ने इस गीत के साथ अन्याय किया है और आजादी के बाद भी सम्पूर्ण गीत को न लेकर इसके एक अंश को ही राष्ट्रगीत की मान्यता दी। कांग्रेस का कहना है कि ऐसा किसी द्वेषवश नहीं, बल्कि उस वक्त सभी धर्मावलम्बियों की भावनाओं को ध्यान में रखकर किया गया था। इस गीत के रचयिता बंकिमचन्द्र चटर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय के पहले स्नातक थे और पहले हिन्दुस्तानी थे जिन्हें इंग्लैंड की महारानी ने भारतीय उपनिवेश में सन् 1858 में डिप्टी कलेक्टर के पद पर नियुक्त किया था। चटर्जी अच्छे लेखक और कवि थे। उनका लिखा यह गीत मानों जनता के विरोध का क्रांति गीत ही बन गया। बंगाल में इसकी लोकप्रियता को देखकर ही शायद उस समय कांग्रेस व अन्य स्वाधीनता संग्राम संगठनों ने भी इसे अपनाना शुरू किया। इस गीत के पहले दो छंद जो राष्ट्रगीत में लिए गए, वे सार्वभौमिक व सर्वकालिक हैं और संस्कृत में हैं तथा शेष रचना बांग्ला भाषा में है और भारतीय देवी मां दुर्गा की स्तुति में है। इसी वजह से देश के अन्य धर्मावलम्बियों द्वारा इसे सम्पूर्ण रूप में राष्ट्रगीत स्वीकार करने से इनकार किया जाता रहा है। भाजपा आज इस गीत को पूर्ण स्वरूप में लागू किए जाने की वकालत कर रही है तो अन्य लोग संविधान के पंथनिरपेक्षता का हवाला दे रहे हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने सदन में कहा कि हमारे संविधान की प्रस्तावना 'भारत माता' से नहीं बल्कि 'हम भारत के लोग' से शुरू होती है। उन्होंने तर्क दिया कि बाबा साहेब ने तो भारत माता के विचार को ही खारिज कर दिया था। देखा जाए तो हिन्दू धर्मावलम्बियों के लिहाज से यह पूरा गीत ही बहुत मनोहर और देवी स्तुति के स्तर का है। दुनिया के अन्य लोकतांत्रिक देशों में भी राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान हैं तथा तमाम अवसरों पर गाए जाते हैं लेकिन उनके गायन के पीछे स्वतःस्फूर्त का भाव होता है, जबर्दस्ती का नहीं। 'वंदे मातरम्' को लेकर धर्म, क्षेत्रीयता और वैचारिकता को उभारने के बजाए अगर इतने सुन्दर गीत के मर्म को समझा जाए तो इस गीत में न सिर्फ प्राकृतिक निधियों का सम्मान बल्कि रीति-रिवाजों पर गर्व, राष्ट्रीय एकता पर जोर तथा ऐतिहासिकता की भी चर्चा है, जो इसे महत्त्वपूर्ण बनाती है। अच्छा होगा, अगर इसे धर्म और राजनीति से जरा दूर ही रखा जाए।

इस गीत में न सिर्फ प्राकृतिक निधियों का सम्मान बल्कि रीति-रिवाजों पर गर्व, राष्ट्रीय एकता पर जोर, ऐतिहासिकता की भी चर्चा है, जो इसे महत्त्वपूर्ण बनाती है।

संसद में राजनीतिक विवाद दुर्भाग्यपूर्ण

मुद्दा

अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम् पर हुई बहस ने निस्संदेह देश के अंदर बहुत बड़े वर्ग में देश भक्ति का भाव गहरा किया है तो दूसरी ओर क्षोभ और गुस्सा भी पैदा हुआ है। आम भारतीय को उम्मीद नहीं थी कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का भावपूर्ण पवित्र अवसर भी राजनीतिक विवाद, तनाव तथा आरोप-प्रत्यारोप का कारण बन जाएगा।

इसका सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष रहा संसद के अंदर विपक्ष द्वारा एक स्वर में वंदे मातरम् का स्वागत नहीं किया जाना। विपक्ष के नाते सरकार का मुद्दों पर विरोध का अर्थ यह नहीं है कि महान और पवित्र अवसर को भी राजनीतिक तू तू, मैं मैं बदल दिया जाए। यह सही है कि मुख्य विपक्षी पार्टी के नेताओं ने सीधे वंदे मातरम् को गलत नहीं बताया , किंतु भारत भक्ति भाव के रूप में समान रूप से सबके अंदर विद्यमान हो और यह राष्ट्रीय एकता के प्रति संकल्प और प्रतिबद्धता घनिभूत का अवसर बन जाए, इसका रंच मात्र भी संदेश नहीं दिया गया। 7 नवंबर, 1875 को महान बांग्ला साहित्यकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने यह गीत लिखा था। इस तरह 150 साल 7 नवंबर, 2025 को पूरे हुए। यह सच है कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार नहीं होती तो इसका 150वां वर्ष नहीं मनाया जाता। यह भी सच्चाई है कि इसे राष्ट्रगीत स्वीकार करते हुए भी संसद में गाने की परंपरा नहीं शुरू की गई। 1992 में भाजपा के लालकृष्ण आडवाणी तथा राम नायक ने यह मुद्दा उठाया और संसद में वंदे मातरम् का गान शुरू हो सका। बावजूद जबसे लाइव प्रसारण शुरू हुआ, देश ने देखा कि कई सांसद इस राष्ट्रगीत के समय सदन से बाहर चले गए। यह प्रश्न तो उठेगा कि आखिर संसद में इसका गान क्यों नहीं होता रहा? लोकसभा में चर्चा की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दृष्टि से सारे तथ्य रखे तो राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने। दोनों के वक्तव्य का मूल यही था

संसद में जब से लाइव प्रसारण शुरू हुआ, देश ने देखा कि कई सांसद इस राष्ट्रगीत के समय सदन से बाहर चले गए। यह प्रश्न तो उठेगा कि आखिर संसद में इसका गान क्यों नहीं होता रहा?

कि यह भावगीत अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष और दासता से मुक्ति तक ही प्रासंगिक नहीं था यह सदा के लिए है , जो भारत के लिए जीने व काम करने की प्रेरणा देता रहेगा। 7 नवंबर , 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 1 वर्ष तक चलने वाले समारोहों की भव्य शुरुआत हुई। विशेष सिक्का और डाक टिकट भी जारी हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हर गीत, हर काव्य का अपना एक मूल भाव होता है, मूल संदेश होता है। वंदे मातरम् का मूल भाव है- भारत, मां भारती। लोकसभा में भी उनका स्वर यही था। अमित शाह ने इसे स्वतंत्रता, संस्कृति और राष्ट्रभक्ति का सबसे शक्तिशाली जय घोष बताया। इस गीत को विवादास्पद या किसी एक धर्म का बताने वाले कुछ तथ्यों का ध्यान रखें- 1896 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे गाया था, 1905 में बंगाल में विभाजन विरोधी और स्वदेशी आंदोलन के दौरान वंदे मातरम् विरोध का मुख्य सुर बना, 7 अगस्त , 1905 को वंदे मातरम् नारे के रूप में गाया गया था, 1907 में मैडम भीकाजी कामा ने विदेश में वंदे मातरम लिखा ध्वज ही फहराया था। कांग्रेस के वाराणसी अधिवेशन में वंदे मातरम् गीत को पूरे भारत समारोहों के लिए अपनाया गया, 24 जनवरी, 1950 को इसे राष्ट्रीय गीत के तौर पर स्वीकार किया गया।

यह अंग्रेजी शासन के विरोध का सबसे बड़ा भावनात्मक गीत बन गया था। पूरे भारत में अंग्रेजों के विरुद्ध उठने वाले हर विरोध और आंदोलन में वंदे मातरम् गूंजने लगा। प्रश्न है कि क्या वंदे मातरम् जिसने हजारों भारतवासियों, जिनमें हंसते-हंसते बलिदान होने वाले क्रांतिकारी भी थे,को प्रेरित किया, उसका 150वां वर्ष नहीं मनाया जाना चाहिए? क्या इसलिए नहीं मनाया जाना चाहिए कि अगले वर्ष बंगाल के साथ कुछ राज्यों के चुनाव हैं? इससे दिल दहलाने वाला कुतर्क कुछ नहीं हो सकता। 7 नवंबर, 2025 को पूरे देश में एक साथ वंदे मातरम् के गायन से जो भाव पैदा हुआ और जिस तरह पूरे देश में वंदे मातरम् अभियान चला है, उससे उम्मीद जगती है कि भारत के लिए जीने और काम करने का भाव ही ज्यादा प्रबल होगा और विरोधी कमजोर पड़ेंगे।

'वंदे मातरम्' की 150 वर्षों की अखण्ड गूंज

ऐतिहासिक पर्व

डॉ. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ पत्रकार

राहुल बाबा सरीखे 'वंदे मातरम्' विरोधियों के लिए कुछेक तथ्य जानना आवश्यक है। वरना खतरा तो यह भी है कि किसी दिन अपने मोदी-विरोध की लहर में यह भी भूल जाएं कि वंदे मातरम् पहली बार 1896 में कांग्रेस के ही कलकत्ता अधिवेशन (अब कोलकाता) में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने 7 अगस्त, 1905 में एक राजनीतिक राष्ट्रीय पहचान के रूप में गाया था, तब वह कटा-फटा भी नहीं था। पूरा गीत था, जिसे बंकिम बाबू ने अपने चर्चित उपन्यास आनंद मठ में दिया था। वर्ष 1947 में पंडित ओंकार नाथ ठाकुर ने गाया था। समय की अनंत और अविराम धारा में कुछ तिथियां केवल पंचांग के पन्ने नहीं होतीं, वे किसी राष्ट्र की चेतना का 'प्रस्थान बिंदु' बन जाती हैं। 7 नवंबर 1875 एक ऐसी ही ऐतिहासिक तारीख थी, जब बंगाल के एक शांत कोने में ऋषि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की कलम से स्याही नहीं बल्कि भारत की आत्मा टपकी थी। उस दिन जिस गीत- 'वंदे मातरम्' का जन्म हुआ, आज वर्ष 2025 में हम उसी महामंत्र के 150 वर्ष पूरे होने का ऐतिहासिक पर्व मना रहे हैं। यह उत्सव केवल एक गीत की रचना का नहीं है, यह उस 'नाद-ब्रह्म' का उत्सव है जिसने एक सोए हुए उपमहाद्वीप को राष्ट्र के रूप में जगा दिया। यह पर्व उन शब्दों का है जिन्होंने बिना किसी शस्त्र के ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी। यह उस दौर का गीत है, जब भारत गुलामी के गहन अंधकार में डूबा था। निराशा के उस वातावरण में, बंकिम बाबू ने जब अपनी मातृभूमि को देखा तो उन्हें वहां केवल मिट्टी, नदियां या पहाड़ नहीं दिखे। उन्हें वहां साक्षात् 'जगद्धात्री' मां के दर्शन हुए। उन्होंने देखा- सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम'। यह गीत किसी बंद कमरे की बौद्धिक कसरत नहीं था बल्कि एक दैवीय अंतर्दृष्टि थी। वर्ष 1882 में जब यह उनके कालजयी उपन्यास 'आनंदमठ' का हिस्सा बना तो यह मात्र एक कविता से रूपांतरित होकर 'संन्यासी विद्रोह' का रणघोष बन गया लेकिन नियति ने इसके लिए इससे भी बड़ा मंच और व्यापक आकाश तैयार कर रखा था। वर्ष 1905 में जब लॉर्ड कर्जन ने बंगाल के सीने पर आरी चलाने का दुस्साहस किया तो प्रतिरोध की उस ज्वाला में 'वंदे मातरम्' घी बनकर गिरा। देखते ही देखते यह दो शब्दों का संबोधन, एक विराट जन-आंदोलन में बदल गया। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने जब इसे सुरों में पिरोया, तो इसकी गूंज कलकत्ता की गलियों से निकलकर लाहौर, पुणे और मद्रास तक जा

यह गीत किसी बंद कमरे की बौद्धिक कसरत नहीं था बल्कि एक दैवीय अंतर्दृष्टि थी। वर्ष 1882 में जब यह उनके कालजयी उपन्यास 'आनंदमठ' का हिस्सा बना तो यह मात्र एक कविता से रूपांतरित होकर 'संन्यासी विद्रोह' का रणघोष बन गया

पहुंची। यह वह दौर था जब 'वंदे मातरम' बोलना राजद्रोह था, लेकिन भारतवासियों के लिए यह 'राष्ट्रधर्म' बन चुका था। स्वतंत्रता की वेदी पर चढ़ने वाले अनगिनत परवानों के लिए यह गीत 'गीता' के श्लोकों जैसा पवित्र था। खुदीराम बोस, मदनलाल ढींगरा, रामप्रसाद बिस्मिल और भगत सिंह जैसे वीरों ने जब फांसी के फंदे को गले लगाया तो अंतिम सांस के साथ जो शब्द वायुमंडल में विलीन हुए, वे 'वंदे मातरम्' ही थे। यह गीत उस समय भय से मुक्ति का पर्याय बन गया था। इसने भारतीयों को सिखाया कि अपनी जननी जन्मभूमि की आराधना करना कोई अपराध नहीं बल्कि सर्वोच्च मानवीय कर्तव्य है। इसी ऐतिहासिक महत्व को स्वीकारते हुए स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने इस गीत को वही सम्मान दिया जो राष्ट्रगान 'जन गण मन' को प्राप्त है। 150 वर्षों का यह सफर गवाह है कि सरकारें बदलती रहीं, नीतियां बनती-बिगड़ती रहीं लेकिन 'वंदे मातरम्' का ओज कभी कम नहीं हुआ। शिया धर्म गुरु यासूब अब्बास कहते हैं कि वंदे मातरम् का विरोध सिर्फ जहालियत है। इसमें कहीं भी मातृभूमि की पूजा करने की बात नहीं कही गई है। उस धरती के प्रति सम्मान की बात है, जहां हम पैदा हुए हैं, जहां हमें वापस जाकर मिल जाना है। वे अपनी बात को और आगे बढ़ाते हुए इस्लाम की चर्चा करते हैं और कहते हैं कि इस्लाम में अल्लाह के सामने झुकने की बात कही गई है, यह सच है और हर मुसलमान को ऐसा करना भी चाहिए। इस्लाम बिल्कुल ऐसा नहीं कहता कि आप किसी का सम्मान न करें। सम्मान का मतलब पूजा नहीं है। वंदे मातरम् का सीधा अर्थ मां का सम्मान है, और कुछ भी नहीं। मुस्लिम स्कॉलर नासिरुद्दीन हैदर खान की मानें तो यह मामला नासमझी का ज्यादा है। यह हमारे देश का राष्ट्रगीत है, इसे पढ़ने, गाने या न पढ़ने, गाने के लिए कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है। कोई जोर-जबरदस्ती करता है तो भारत का कानून पीड़ित के साथ खड़ा है। सात हजार गीतों में दूसरे नंबर पर चुना जाना इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। मूल रूप से बांग्ला एवं संस्कृत में लिखा गया यह गीत कई अन्य भाषाओं में अनुवाद किया गया, यह भी इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। एक अन्य मुस्लिम स्कॉलर गुफरान नसीम कहते हैं कि इससे जुड़ा विवाद 1937 में ही खत्म हो गया था, जब मौलानाओं की आपत्ति के बाद जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने पहली दो पंक्तियों को राष्ट्रगीत के रूप में मंजूरी दी थी। समिति ने पाया था कि पहले दो पैरा मातृ भूमि की प्रशंसा में हैं, गीत में उसके आगे हिन्दू देवी-देवताओं का जिक्र किया गया है, इसीलिए दो पारा को ही मान्यता दी गई जिससे किसी की भावना आहत न होने पाए और अंत में 24 जनवरी 1950 को इसे राष्ट्र ने राष्ट्रगीत के रूप में मंजूर कर लिया।

संक्षेप

सड़क हादसे में युवक की मौत

बहन का इलाज कराने जा रहा था, ट्रक ने मारी टक्कर

अमेठी , रायबरेली सुल्तानपुर राजमार्ग पर रविवार सुबह एक सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जमालपुर स्थित गोसाई ताल के पास हुए इस हादसे में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार भाई-बहन को टक्कर मार दी, जिससे युवक की मौके पर ही जान चली गई और उसकी बहन घायल हो गई। मृतक की पहचान विकास मौर्य (19) के रूप में हुई है। उसकी बहन पिंकी मौर्य (घायल) बाइक पर पीछे बैठी थी। पिंकी ने बताया कि वे सूरतगढ़, गोरिया बाद से नहर कोठी बवासीर के इलाज के लिए जा रहे थे। पिंकी के अनुसार, सामने से आ रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर पड़े और विकास ट्रक के पहिए की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पिंकी को भी शरीर में कई जगह गंभीर चोटें आई हैं। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सीएचसी फुरसतगंज के प्रभारी नंद हौसला यादव ने बताया कि शव का पंचनामा कर विधिक कार्रवाई की जा रही है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है। घायल पिंकी का उपचार जारी है। पिंकी ने बताया कि विकास परिवार में सबसे छोटा था। उसके बड़े भाई राजेश मौर्य हैं। परिवार में कुल पांच बहनें हैं, जिनमें से तीन बहनों और बड़े भाई की शादी हो चुकी है। दो बहनों और एक भाई की शादी अभी बाकी थी। परिजनों के अनुसार, विकास पढ़ाई छोड़कर ड्राइविंग कर परिवार की जिम्मेदारियां उठाना चाहता था। वह अपनी बहनों की शादी में सहयोग करने का सपना देखता था।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने दो जरूरतमंदों को दी आर्थिक मदद

अमेठी में एक घायल को 25 हजार, दूसरे को 10 हजार की सहायता

अमेठी तहसील , जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरी ने दो जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की है। यह मदद गंभीर परिस्थितियों से जूझ रहे लोगों के लिए की गई। जानकारी के अनुसार, गौरीगंज क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में कौहार शाहगढ़ निवासी अनुराग अग्रहरी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वे लंबे समय से इलाजरत हैं और उनके इलाज में आर्थिक कठिनाइयां आ रही थीं। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरी ने अमेठी कस्बे स्थित अपने निजी प्रतिष्ठान पर अनुराग को इलाज के लिए 25,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी। इसी क्रम में, अमेठी विकासखंड क्षेत्र के खेरौना गांव निवासी लता देवी पत्नी शिवबहादुर सिंह को भी 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। लता देवी का पैर का ऑपरेशन होना है और परिवार धन की कमी का सामना कर रहा था। आर्थिक सहायता प्राप्त करने वाले दोनों परिवारों ने जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में मिली यह मदद उनके लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।

परिवार व समाज के प्रति महिलाओं को जागरूक होने की जरूरत: एसडीएम नानपारा

- महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चलाया जा रहा मिशन जागरूकता अभियान: सीओ नानपारा
- आदर्श समाज सेवा समिति द्वारा हुआ मिशन शक्ति जागरूकता गोष्ठी का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

मो. कौशर

बहराइच। आदर्श समाज सेवा समिति उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में कस्बा जमोग स्थित पंडित राधेश्याम पाण्डेय सरस्वती इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी व विशिष्ट अतिथि पुलिस क्षेत्राधिकारी नानपारा पहुप सिंह ने सयुंक्त रूप से माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। सर्वप्रथम समिति पदाधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथियों का बुके, अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिन्ह भेंटकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एसडीएम नानपारा ने कहा युवतियां व छात्राएं भविष्य की पीढ़ी हैं। आज के समय समाज में व्याप्त कुरितियों को समाप्त करने में उनकी योगदान की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार की ओर से कई ऐसी योजनाओं चलायी जा रही है जिसमें घर बैठे युवतियों व महिलाओं को अनेक प्रशासनिक व्यवस्थाए मिल जायेंगी। उन्होंने समिति के कार्यक्रम की सराहना करते हुयेकहा कि ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से जन जागरूकता व मिशन शक्ति जैसे कार्यक्रम को बल व मजबूती मिलेगा। विशिष्ट अतिथि सीओ नानपारा पहुप सिंह ने अपने सम्बोधन मे छात्राओं को साइबर क्राइम के बारे में बताया। उन्होने कहा कि सभी छात्र अपने मोबाइल का इस्तेमाल गलत चीजों में न करे। यदि कोई कम्पनी का मैसेज आता है तो उसे इंगनोर करे और ओटीपी कभी न दे। यदि कोई किसी प्रकार साइबर क्राइम में फंस जाता है तो तुरन्त 1923 पर फोन करे तत्काल उनकी मदद की जायेगी। सीओ श्री सिंह ने कहा की समय-समय ऐसे जन जागरूकता कार्यक्रम से हमारा समाज सुरक्षित होता है। कानून व्यवस्था, अपराधों की रोकथाम में महत्वपूर्ण योगदान होता है साथ ही अपराधों एवं असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी रूप से अंकुश भी लगता है। महिला आरक्षी प्रियंका वर्मा व कनक सरोज द्वारा गोष्ठी मे मौजूद सैकड़ों छात्राओं को महिलाओ और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन के लिए चलाये जा रहे मिशन शक्ति फेज-पांच अभियान के तहत मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना मिशन, कन्या सुमंगला योजना,1090,112,1098, 1076,181,108 व साइबर अपराध के शिकायत हेतु 1923 सहित सम्पूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम को इसके अतिरिक्त कोतवाल रुपईडीहा रमेश रावत, अपराध निरीक्षक गणेश तिवारी, मिशन शक्ति टीम उपनिरीक्षक सूर्यभान, समिति अध्यक्ष पत्रकार संतोष मिश्रा, कालेज प्राचार्य बीएस मिश्रा ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन समिति ब्लॉक अध्यक्ष रामदीन गौतम ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से समिति संगठन मंत्री बद्री सिंह, उपाध्यक्ष श्याम कुमार सिंह, प्रवक्ता बनारस गिरि, कॉलेज प्रबंधक कौशलेन्द्र पाण्डेय, अभय दीक्षित, वरिष्ठ पत्रकार अशोक उपाध्याय, रावेन्द्र शर्मा, देवेश पाण्डेय, आशुतोष मिश्रा, डॉ रामगोपाल, दिलीप कुमार, उमेश गौतम सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

प्राकृतिक खेती अपनाकर अपनी आय बढ़ाएं किसान: डॉ विनय कुमार

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। मंगलवार को उप निदेशक कृषि डॉ विनय कुमार वर्मा की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत कर मुल्लापुर विकास खण्ड हुजूरपुर में ग्राम पंचायत स्तरीय ग्रोष्ठी/किसान पाठशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उप निदेशक कृषि डॉ विनय कुमार वर्मा ने किसानो को प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह दी। उन्होने उपस्थित किसानों से कहा कि प्राकृतिक खेती से उत्पन्न खाद्यान्न स्वास्थ के लिए लाभदायक होता है तथा पर्यावरण सुरक्षित रहता है।इससे भूमि की उर्वरा शक्ति में वृद्वि होती है। किसान भाई प्राकृतिक खेती अपना कर अधिक आय अर्जित करे।उन्होने बताया की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत 01 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक 1.5 प्रतिशत प्रीमियम भुगतान कर अपने फसलो का बीमा कराकर क्षति की दशा में सरकार द्वारा क्षतपूर्ति प्रदान की जाती है।श्री वर्मा ने किसानो को बताया कि अपनी फसलों की बुआई लाइन में करना चाहिये जिससे पौधो की बढवार अधिक होती है इससे उत्पादन में 10 से 15 प्रतिशत वृद्वि प्राप्त होती है। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र बहराइच डा0 सीपीएन गौतम ने किसानो को बीज चयन,लाइन में बोआई तथा आई0पी0एम की जानकारी दी। गोष्ठी में उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष संचित सिंह तथा ग्राम प्रधान आदिलपुर भूपेन्द्र सिंह ग्राम प्रधान कर मुल्लापुर ,रामतीरथ सिंह ने केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानो के हित में संचालित विभिन्न योजनाओ की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रभारी राजकीय कृषि बीज भण्डार संतोष कुमार,सहायक विकास अधिकारी कृषि रवि शुक्ला, पाठ शाला प्रभारी चन्द्र प्रताप सिंह सहित सैकडों कृषक तथा महिला कृषक उपस्थित रहे।

कैसरगंज के दानावल गांव में 8 वर्षीय बच्चे पर भेड़िए का हमला

कैसरगंज थाना क्षेत्र के दानावल गांव का मामला

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम दानावल में मंगलवार के दिन सुबह करीब 7:00 बजे ग्राम दानावल में भेड़िए ने 8 वर्षीय बच्चों पर हमला कर दिया। मौके पर मौजूद परिवार जनों ने भेड़िए के चंगुल से बच्चे को छुड़ा लिया। आपको बताते चलें कि दानावल निवासी यशकुमार 8 वर्षीय पुत्र विजय कुमार का बच्चा सुबह घर के बाहर खेल रहा था तभी अचानक भेड़िए ने हमला कर दिया। हमले के दौरान परिवारजन के लोग भी मौजूद थे। भेड़िए की चंगुल से बच्चों को छुड़ाने में सफलता हासिल हुई। घायल बच्चे को एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैसरगंज में भर्ती कराया गया बच्चे की हालत ठीक है, कोई खास चोट जख्म नहीं है। बच्चों का उपचार करने के बाद

उसे वापस घर भेज दिया गया है। कैसरगंज मुख्यालय से महज 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित दानावल गांव में डर भय का माहौल व्याप्त है।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय नवाबगंज का एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने किया औचक निरीक्षण

बालिकाओं की शिक्षा एवं सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी: मोनालिसा जौहरी

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। तहसील नानपारा क्षेत्रान्तर्गत आज कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, नवाबगंज का उपजिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। आज अचानक दोपहर 1:00 बजे एसडीएम मोनालिसा जौहरी व सी.ओ. नानपारा पहुप सिंह के साथ कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय पहुंच गयी। निरीक्षण का उद्देश्य विद्यालय में शासन द्वारा प्रदत्त सुविधाओं, शैक्षणिक वातावरण एवं छात्राओं की सुरक्षा व कल्याण की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन करना रहा। निरीक्षण के दौरान एसडीएम द्वारा प्रवेश पंजिका, छात्र उपस्थिति रजिस्टर, शिक्षक उपस्थिति, कक्षा संचालन की स्थिति, पाठ्यक्रम की प्रगति, पठन-पाठन की गुणवत्ता, शिक्षण सामग्री, डिजिटल/स्मार्ट कक्षा की उपलब्धता, पुस्तकालय, प्रयोगशाला आदि का एक-एक कर बड़ी बारीकी से परीक्षण किया गया। छात्रावास निरीक्षण के दौरान कक्षों की स्वच्छता, बिस्तर एवं आवासीय सुविधाएं, प्रकाश एवं वेंटिलेशन, पेयजल व्यवस्था, शौचालयों की साफ-सफाई, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से संबंधित व्यवस्थाओं का गहनता से निरीक्षण किया गया। भोजनालय एवं रसोईघर के निरीक्षण में मेनू रजिस्टर, भोजन की गुणवत्ता, कच्चे माल का भंडारण, स्टॉक, रसोई की साफ-सफाई, ईंधन व्यवस्था, पानी की शुद्धता तथा भोजन वितरण प्रणाली को विस्तार से परखा गया। छात्राओं से भोजन की गुणवत्ता को लेकर एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने सीधा संवाद भी किया गया। एसडीएम और सी.ओ. नानपारा ने सुरक्षा व्यवस्था के अंतर्गत विद्यालय परिसर की चारदीवारी, गेट व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, रात्रि सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा उपकरण, आपातकालीन संपर्क व्यवस्था एवं रिकॉर्ड संधारण की जांच भी की गई। स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं में प्राथमिक उपचार किट, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सीय अभिलेख एवं स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों की स्थिति का भी निरीक्षण किया गया। एसडीएम ने छात्राओं से अकेले में व्यक्तिगत रूप से भी संवाद कर शिक्षा, आवास, भोजन, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य समस्याओं की जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के उपरांत एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने विद्यालय स्टाफ को सभी व्यवस्थाएं शासन की मंशा के अनुरूप बनाए रखने, अभिलेख अद्यतन रखने, स्वच्छता एवं गुणवत्ता में निरंतर सुधार, तथा छात्राओं के हित में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय पुलिस क्षेत्राधिकारी नानपारा पहुप सिंह, विद्यालय की वार्डन योगिता त्रिपाठी, व शिक्षिकाएं एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

वाहन की टक्कर से साइकिल सवार की दर्दनाक मौत

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। रूपईडीहा थाना अंतर्गत पचपकड़ी मोड़ पर एक वाहन की टक्कर से साइकिल सवार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है।रूपईडीहा थाना प्रभारी रमेश सिंह रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार को दोपहर करीब 2 बजे पचपकड़ी मोड़ पर एक भीषण सड़क हादसे में साइकिल सवार की मौके पर ही मृत्यु हो गई।उन्होंने बताया कि डाला वाहन संख्या UP 40 T 6402 ने साइकिल से जा रहे व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में मृतक की पहचान राम दयाल धोबी पुत्र आंधी धोबी, निवासी बसंतापुर, थाना धनौली, जिला बांके,राष्ट्र नेपाल के रूप में हुई है। टक्कर इतनी तेज थी कि राम दयाल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा

वाहन को अपने कब्जे में लेते हुए मामले में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। हादसे के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और सतर्कता बरतने की अपील की है।

कड़ाके की ठंड में मिहींपुरवा तहसील में अलाव नदारद

जिम्मेदार अधिकारी जिम्मेदारी से झाड़ते रहे पल्ला, जनता ठिठुरने को मजबूर

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। तराई क्षेत्र में लगातार बढ़ रही सर्दी ने आम जनजीवन को बेहाल कर दिया है। मंगलवार को दिनभर सूर्य देव के दर्शन न होने से गलन भरी ठंड ने लोगों को घरों से बाहर निकलना मुश्किल कर दिया। बावजूद इसके मिहींपुरवा तहसील क्षेत्र में ठंड से बचाव के लिए प्रशासनिक स्तर पर एक भी अलाव जलता नजर नहीं आया। मजबूरन लोग सड़कों किनारे कूड़ा-कचरा जलाकर ठंड से बचने का प्रयास करते दिखे। मिहींपुरवा तहसील का अधिकांश क्षेत्र कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के घने जंगलों से घिरा हुआ है। साथ ही सरयू और घाघरा जैसी नदियों की मौजूदगी के कारण यहां सर्दियों में तापमान सामान्य से कहीं अधिक गिर जाता है।

ऐसे में हर वर्ष तहसील प्रशासन द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था की जाती रही है, लेकिन इस बार कड़ाके की ठंड के बावजूद प्रशासन पूरी तरह उदासीन नजर आया।

सबसे चिंताजनक पहलू यह रहा कि जिम्मेदार अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से बचते दिखाई दिए। जब इस संबंध में उप जिलाधिकारी मिहींपुरवा रामदयाल से फोन पर जानकारी ली गई तो उन्होंने अलाव की जिम्मेदारी से साफ इनकार करते हुए इसे तहसीलदार का विषय बता दिया।

वहीं तहसीलदार धर्मेंद्र कुमार ने पूरे तहसील क्षेत्र में 10 स्थानों पर अलाव की व्यवस्था होने का दावा किया, लेकिन न तो वे किसी स्थल की जानकारी दे सके और न ही मौके पर कहीं अलाव जलता मिला। कड़ाके की ठंड में अलाव की व्यवस्था न होना और अधिकारियों द्वारा एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालना यह साफ दशार्ता है कि शासन की मंशा के विपरीत स्थानीय स्तर पर लापरवाही हावी है। सवाल यह है कि जब आम जनता ठंड से कांप रही हो, तब प्रशासनिक दावे कागजों तक ही क्यों सीमित हैं।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बनाएं कार्य योजना: डीएम अक्षय त्रिपाठी

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल/संतोष मिश्रा

बहराइच। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के दौरान जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि जनपद में सड़क दुर्घटनाओं को न्यून से न्यूनतम करने के लिए सड़कों का स्ट्रक्चर, दुघर्टना बहुल्य क्षेत्रों का चिन्हांकन, ब्लैक स्पाट, सड़कों का निर्माण, प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीबी कैमरों की स्थापना इत्यादि के सम्बंध में विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर आवष्यक कार्यवाही की जाय। डीएम ने निर्देष दिया कि मार्गो पर पेट्रोलिंग की व्यवस्था सुनिष्चित की जाय। साथ ही रात में आवागमन हो रहे ट्रकों का साइनेज तैयार किया जाय। डीएम श्री त्रिपाठी ने सड़क दुर्घटनाओं को न्यून से न्यूनतम किये जाने के दृष्टिगत मार्गो के दोनों तरफ वृक्षों, माइल्ड स्टोन, विभिन्न बोर्डो, पोलों इत्यादि पर लाइटदार रेफ्लेक्टर लगाया जाय। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी को निर्देश दिये गये कि दुघर्टना हेतु संवेदनषील स्थानों पर प्रकाष की समुचित व्यवस्था सुनिष्चित करायी जाय। उन्होनें निर्देष दिया कि आबादी क्षेत्रों में लाइनदार पट्टी विकसित किया जाय जिससे एक्सीडेन्ट की संभावना कम हो सके। डीएम ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देष दिया कि गन्ना ट्रालियों, ईट भट्टों की ट्रालियों व अन्य ट्रालियों पर रेफ्लेक्टर लगाये जाय। जिससे दुघर्टनाओं पर न्यून से न्यूनतम किया जा सके। उन्होनें एआरटीओ को निर्देष दिया कि विद्यालयों में लगाये गये वाहनों का फिटनेस व लाइसेन्स

अवष्य चेक किया जाय तथा जिन विद्यालयों के वाहनों का फिटनेस न पाया जाय ऐसे वाहनों को नियमानुसार सीज करने कार्यवाही की जाय। साथ ही उन्होनें यह भी निर्देष दिया कि ई-रिक्षा चालकों को स्वयं अपने वाहनों पर रेफ्लेक्टर लगाये जाने के लिए जागरूक कर प्रेरित किया जाय। पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह द्वारा निकायों, लोक निर्माण व पुलिस विभाग को निर्देश दिये गये कि नगर के विभिन्न मार्गों पर पैदल गश्त कर सुगम यातायात में आने वाली समस्याओं को चिन्हित कर समस्याओं निराकरण कराया जाय। इस कार्य में नगरवासियों तथा टैक्सी स्टैण्ड संचालको से भी सुझाव प्राप्त किया जाय। एसपी द्वारा सीएमओ को निर्देष दिये गये कि शहर में स्थित विभिन्न चिकित्सालयों में पार्किंग की समुचित व्यवस्था करायी जाय। जिससे मरीजों व तीमारदारों के वाहनों से यातायात की व्यवस्था में कोई समस्या न आने पाये। एसपी श्री सिंह द्वारा सीएमओ व एआरटीओ को निर्देश दिये गये कि वाहन चालकों की जांच हेतु विभिन्न मार्गों पर स्थित पेट्रोल पम्पों तथा अन्य उपयुक्त स्थलों पर आंखों की जांच हेतु कैम्प लगाये जायें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अमित कुमार, अधि. अभि. लो.नि.वि. अमर सिंह व प्रदीप कुमार, एआरटीओ ओ.पी. सिंह, ईओ प्रमिता सिंह सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

मार्ग दुर्घटना में मृतक के परिजनों ने दर्ज कराया अज्ञात डंपर चालक पर मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत नवम्बर माह में हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना दो युवकों की मौत पर युवकों के चाचा ने अज्ञात डंफर के चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करवाया है।

सुमेरपुर हमारा पंप के सामने 19 नवंबर को बाइक सवार युवक व उसकी बुवा के लड़के को अनियंत्रित डंफर ने उस समय टक्कर मार दी थी जिस समय उसके चाचा के हो रहे तिलक समारोह में कम पड़ी समान लेने बिहार से वापस आ रहे थे। बाइक चला रहे आयुष पाल पुत्र राकेश निवासी कलानी की मौके पर ही मौत हो गयी थी जबकि पीछे बैठे बुवा के लड़के दीपांशू पुत्र शिवकुमार पाल निवासी कीरतपुर की इलाज दौरान मौत हो गयी थी।

आयुष पाल के चाचा

राजेश कुमार पुत्र गया प्रसाद निवासी कलानी द्वारा तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में अज्ञात डंफर चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गरीब असहाय लोगों को बाटे गए कंबल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। विकास खंड असोहा क्षेत्र के सुम्भारी खुर्द में पूर्व प्रधान शोभारावत ने गरीब , निराश्रित , विधवा महिला पुरुषों को बांटे कम्बल ,कड़कड़ाती सर्दी में कम्बल पाकर लोगो के चेहरे खिल गए , पूर्व प्रधान को दुवाएँ देते नही थके लोग ।पूर्व प्रधान शोभारावत ने लोगो से कहा कि इस को प्रधानी से मत जोड़ना उन्होंने कहा कि इस हाड़ कपाती सर्दी में हम को लगा कि असहाय गरीब लोगों के लिये कुछ करना चाहिए उन्होंने कहा कि कल रकबा गांव में भी कम्बल विरतण किया जाएगा ।ज्यादा से जायदा लोग पहुंचे । रामसहाय , सुजीत , लालू , सरला देवी ,नन्हा देवी ,साकिर अली अशोक ,गुड्डू सहित लगभग छ सैकड़ा लोगो मे कम्बल बांटे गए ।

फायरिंग, पुलिस के सामने भिड़े दो पक्ष

बरही कार्यक्रम के टेंट विवाद में मारपीट, वीडियो आया सामने

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , कोतवाली नगर क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक पक्ष ने हवाई फायरिंग कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस के सामने ही दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। यह घटना बरही कार्यक्रम के दौरान टेंट लगाने को लेकर हुए विवाद से जुड़ी है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना कोतवाली सिटी के अंतर्गत पुराने होमगार्ड कार्यालय, पल्टन बाजार के पास हुई। बताया गया कि बरही कार्यक्रम के लिए टेंट लगाने को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। विवाद बढ़ने पर एक पक्ष की ओर से बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए, जबकि दूसरे पक्ष ने दहशत फैलाने के उद्देश्य से हवाई फायरिंग कर दी। गोली चलने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि, पुलिस की मौजूदगी में भी दोनों पक्षों के बीच मारपीट जारी रही। पीड़ित पक्ष की ओर से वैभव सिंह पुत्र प्रमोद कुमार सिंह, निवासी पल्टन बाजार, कोतवाली नगर ने पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर के अनुसार, 14 दिसंबर 2025 की सुबह करीब 10 बजे उनके घर से सटी जमीन पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया गया। आरोप है कि राकेश मणि त्रिपाठी, शशांक उर्फ बंटी सहित अन्य लोगों ने जमीन पर कब्जा करना शुरू किया। विरोध करने पर उन्हें गाली-गलौज की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। इसी दौरान शशांक उर्फ बंटी ने 12 बोर रिपीटर बंदूक से हवाई फायरिंग की। मौके पर मौजूद लोगों ने इस घटना को देखा और इसका वीडियो भी बनाया। घटना की सूचना तत्काल डायल-112 पर दी गई।

संक्षेप

घर के सामने आलाव ताप रहे युवक को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। क्षेत्र के ग्राम टेढ़ा में घर के दरवाजे अलाव ताप रहे युवक को पड़ोसियों ने दौड़ा-दौड़ा कर गाली गलौज करके जमकर पीटा। युवक ने चार के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया है। टेढ़ा निवासी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि वह 13 दिसंबर को सुबह घर के बाहर अलाव ताप रहा था तभी पड़ोसी मुन्ना खंगार, ज्ञान सिंह, विनोद, सीमा आए और गाली गलौज करके मारपीट करने लगे। बचाव में उसने भागने की कोशिश की तो उसे खड़ंजे में चारो ने लाठी डंडों से दौड़ा-दौड़ा कर पीटा जिससे गंभीर चोटें लगी है। पुलिस ने चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

रघुनंदन सिंह औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। रघुनन्दन सिंह निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। उक्त जॉब फेयर में कई प्रतिष्ठित कम्पनियों / नियोजकों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपना १ड्ढ्नँ१२ल्लें.४स्त्र.ड्ड्५.ल्ल ऑनलाइन आवेदन करते हुये अपने समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण पत्रों व फोटो सहित उक्त तिथि व समय पर मेले में प्रतिभाग करते हुये इस अवसर का लाभ उठा सकते है, किसी कारणवश ऑनलाइन न कर पाने की स्थिति में आप सीधे भी प्रतिभाग कर सकते है।

चंद्रावल नदी के पुनरोद्धार कार्य का शुभारंभ किये जाने के सम्बन्ध मे

अमन लेखनी समाचार

मौदहा ।हमीरपुर के ग्राम पंचायत पढ़ौरी में चंद्रावल नदी के पुनरोद्धार कार्य का शुभारम्भ प्रभारी मंत्री के द्वारा किया जाना है ।उक्त पुनीत कार्य में आपकी महती भूमिका अपेक्षित है आपसे अनुरोध है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होकर इस पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता दर्ज कराते हुए ।

पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर। कोतवाली क्षेत्र के एक गाँव में घर में घुस कर युवती से दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा कोतवाली क्षेत्र के एक गाँव के युवक अताउद्दीन पुत्र बच्चा लम्बरदार ने गाँव की 22वर्षीय युवती के घर में घुसकर दुष्कर्म को अंजाम दिया युवती के भाई ने विरोध किया तो भाई के साथ लात घूसों से मारपीट कर की सोमवार को पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर घटना के बारे में बताया जिस पर कोतवाली पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए आरोपी अताउद्दीन के खिलाफ एस सी, एसटी दुष्कर्म महिला उत्पीड़न सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया कोतवाली प्रभारी सन्तोष कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही हैं ।

चांदपुर के लेफ्टिनेंट अतुल सिंह को मिला राष्ट्रपति रजत पदक

कैप्टन अतुल सिंह के बाद लेफ्टिनेंट अतुल सिंह करेंगे गांव का नाम रोशन

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। देश के लिए मर मिटने वाले अमर बलिदानी कैप्टन अतुल सिंह का जन्म फतेहपुर जनपद के चांदपुर गांव में हुआ था जहां उन्हीं के गांव में जन्मे लेफ्टिनेंट अतुल सिंह की वीरता पराक्रम को देखते हुए सेना के अधिकारियों ने राष्ट्रपति रजत पदक से सम्मानित किया जानकारी मिलते ही पैत्रक गांव में खुशी की लहर दौड़ गई वहीं पैतृक गांव पहुंचते ही लेफ्टिनेंट अतुल सिंह का ग्रामीण युवाओं तथा वरिष्ठ नागरिकों ने भव्य स्वागत किया मिली जानकारी के अनुसार अमौली विकासखंड के चांदपुर गांव निवासी गोरे सिंह सेंगर एवं मां गायत्री देवी के सुपुत्र अतुल सिंह का चयन भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट पद पर हुआ था जहां रजत पदक राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित होने के पश्चात गांव पहुंचने पर कल्लू सविता शुभम परिहार पवन पाण्डेय कल्लू परिहार जसवंत सिंह धर्मेंद्र सिंह डाक्टर अंकित सिंह रामानुज पाण्डेय आदि बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर फूल मालाओं के साथ लेफ्टिनेंट अतुल सिंह का भव्य स्वागत किया वहीं स्वागत समारोह में भारत माता की जय के जयकारे गूंजते रहे पिता ने बताया कि लेफ्टिनेंट अतुल सिंह का जन्म वर्ष 2003 में हुआ था जहां प्रारंभिक शिक्षा गांव के प्राथमिक विद्यालय से प्राप्त करते हुए हाई स्कूल की शिक्षा कानपुर नगर के अनुभव इंटर कॉलेज मुरलीपुर से ग्रहण किया इंटरमीडिएट कानपुर नगर के महर्षि डीबीएल इंटर कॉलेज उमरी से प्राप्त करते हुए वर्ष 2021 में इलाहाबाद चयन बोर्ड द्वारा भारतीय सेना में चयन किया गया अपनी कड़ी मेहनत के साथ तन्मयता से देश सेवा में लगे अतुल सिंह मार्च 2022 में ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी गया बिहार पहुंचे जहां लगभग 1 वर्ष का प्रशिक्षण पूर्ण करने के पश्चात कॉलेज आफ मिलट्री इंजीनियरिंग तथा महाराष्ट्र के पुणे में 3 वर्षों का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया प्रशिक्षण के पश्चात उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए सेना द्वारा राष्ट्रपति रजत पदक से सम्मानित किया गया प्रशिक्षण पूर्ण करने के पश्चात हाल ही में 13 दिसंबर को भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट पद पर सुशोभित हुए सभी ग्रामीणों ने उत्साह आवर्धन करते हुए जमकर लेफ्टिनेंट अतुल सिंह समेत उनके माता-पिता को शुभकामनाएं दी

आपस में भिड़ी बाइकें ,नवयुवक की हुई मौत

बहू की हाथों की मेहंदी छूटने से पहले छूटा पति का साथ

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर। जनपद की बिंदकी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत बावन इमली के समीप कल दोपहर समय तीन मोटरसाइकिलों में भीषण भिड़ंत हो गई जहां एक मोटरसाइकिल चालक की मौके पर ही मौत हो गई मिली जानकारी के अनुसार भीषण भिड़ंत के पश्चात जाफरगंज थाना क्षेत्र के गांव भौराजपुर निवासी 25 वर्षीय युवक राकेश दिवाकर पुत्र स्वर्गीय चंद्रभान दिवाकर बुरी तरह घायल हुआ आनन फानन राहगीरों ने बाइको समेत सभी घायलों को उठाया जहां राकेश की सांसे थम चुकी थी स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस को सूचना दी जहां एंबुलेंस द्वारा घायलों समेत राकेश को भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिंदकी ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के पहले ही राकेश को मृत घोषित कर दिया वहीं अन्य घायलों का उपचार जारी है यह जानकारी जैसे ही मृतक के परिजनों को मिली तो घर में कोहराम मच गया ग्रामीणों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार नवयुवक राकेश अपने निजी काम से बिंदकी कस्बे जा रहा था हाल ही में विगत 30 नवंबर को मृतक राकेश का विवाह संस्कार संपन्न हुआ था जहां बहू के हाथों की मेहंदी भी नहीं छूट पाई और पति का साथ छूट गया मृतक के पिता का देहावसान कई वर्ष पहले हो चुका है तथा मृतक अपने पिता स्वर्गीय चंद्रभान उर्फ कल्लू दिवाकर का छोटा बेटा था जानकारी मिलते ही मां समेत बहू का रो रो कर बुरा हाल हो गया वही स्थानीय पुलिस बल ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

अज्ञात कारणों से युवती ने लगाई फांसी, मौत

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव दुर्गा का डेरा मजरे ग्राम पंचायत सरहन बुजुर्ग में एक 22 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली विश्वस्त सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीण संतोष निषाद की 22 वर्षीय पुत्री पूजा देवी ने कल दोपहर समय लगभग 1 बजे मकान के ऊपर बने कमरे की छत में रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली घटना के समय छत में ऊपर कोई नहीं था जहां नीचे मकान में छोटा भाई छोटू और बहू थे काफी समय तक पूजा दिखाई नहीं दी तो खोजबीन की जहां छत में जाकर देखा तो कमरे के अंदर छत में लागे कड़े से रस्सी के फंदे पर पूजा झूलती मिली आनन फानन छोटे भाई ने शोर मचाया और आसपास के लोग इकट्ठा हो गए वहीं जाफरगंज थाने में होमगार्ड के पद पर कार्यरत पिता संतोष निषाद को सूचना दी गई जहां ड्यूटी को छोड़ सूचना पाकर पिता संतोष भी मौके पर पहुंचे तथा पुलिस प्रशासन को सूचना दिया सूचना पाकर पहुंचे चौकी प्रभारी अमौली दिग्विजय सिंह ने अपने पुलिस बल के साथ छानबीन प्रारंभ की वहीं कुछ समय पश्चात फॉरेंसिक टीम भी पहुंची घटना की सूचना मिलते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया छोटी बहन समेत मां रामप्यारी का रो-रो कर बुरा हाल था मिली जानकारी के अनुसार पिता संतोष निषाद के दो बेटियां तथा तीन बेटे हैं जिसमें बड़ा बेटा रामसागर रेलवे आरपीएफ मंझला अनिल तथा छोटा छोटू उर्फ अजय है मृतका अपने भाई के साथ हाल ही में फतेहपुर से गांव आई थी चौकी प्रभारी ने फॉरेंसिक टीम की जांच के बाद पंचनामा करते हुए मृतका का शव पोस्टमार्टम के लिए शव विच्छेदन गृह फतेहपुर रवाना किया जानकारी लेने पर घटना का कारण प्रशासन द्वारा अज्ञात बताया गया जहां चौकी प्रभारी दिग्विजय सिंह ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पश्चात अग्रिम कार्रवाई की जाएगी

डीआईजी से मिले रालोद कार्यकर्ता

स्कूल संचालक से रंगदारी मांगने के मामले में जल्द खुलासे की मांग

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकताओं ने डीआईजी कलानिधि नैथानी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। स्कूल संचालक से रंगदारी मांगने वाले आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी करने की मांग की है।

परिवार को मिले पुलिस सुरक्षा

राष्ट्रीय लोकदल(अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) प्रदेश महासचिव एवं उद्यमी कंवलजीत सिंह को धमकी प्रकरण के सम्बन्ध में पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी से पूरा प्रतिनिधि मंडल मिला है। पिछले दिनों प्रदेश महासचिव (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) और शहर के प्रतिष्ठित स्कूल संचालक कंवलजीत सिंह को ईमेल से धमकी देने के सम्बन्ध में अपना ज्ञापन सौपा और कहा कि जल्द से जल्द इस प्रकरण का खुलासा होना चाहिए और परिवार को पूर्णरूप से सुरक्षा मुहैय्या कराई जाए।

ईमेल पर मिली थी धमकियां

रालोद प्रदेश महासचिव (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) और गुरुकुलम इंटरनेशनल स्कूल के संचालक कंवलजीत सिंह को एक ईमेल प्राप्त हुआ था जिसमें उन्हें 10 लाख रुपए रंगदारी मांगने की धमकी दी गई थी और इस धमकी भरे ईमेल के बाद कमलजीत सिंह और उनके परिवार तथा स्कूल में कार्य करने वाले सभी कर्मचारी दहशत में आ गए थे।उन्होंने घर से निकलना बंद कर दिया था तथा उसके बाद पुलिस को इसकी शिकायत की गई थी धमकी के साथ-साथ 10 लाख रुपए हस्तांतरित करने के लिए एक अकाउंट नंबर भी दिया गया था।ये लोग रहे मौजूदप्रतिनिधिमण्डल में मुख्य रूप से सदस्य अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग उत्तर प्रदेश नरेंद्र खजूरी, प्रभारी जम्मू-कश्मीर विनय प्रधान, प्रदेश अध्यक्ष(सामाजिक न्याय मंच) संगीता दोहरे, राष्ट्रीय महासचिव (महिला) ऋचा सिंह, प्रदेश महासचिव(अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) एवं उद्यमी कंवलजीत सिंह, प्रदेश महासचिव (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) दिलप्रीत कोहली,क्षेत्रीय महासचिव संजय पनवाड़ी, जिला उपाध्यक्ष अभिमन्यु ललसाना,सरला सिंह, महानगर अध्यक्ष(अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) मरियम शाह जिलानी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

देश का सातवां प्रदूषित शहर बना मेरठ

प्रदूषण से कारण संतोष ट्राफी भी मेरठ में न होकर आगरा में होगी आयोजित

अमन लेखनी समाचार

मेरठ,ठंड और प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका असर यह है कि दिन ढलते ही आसमान में कोहरे की मोटी चादर चढ़ जाती है जो दिन में दोपहर तक हटती है। इसका असर आम दिनचर्या के साथ साथ खेल और मेरठ पर भी पड़ रहा है।मेरठ में आयोजित होने वाली फुटबॉल की संतोष ट्रॉफी जो यहां पहली बार आयोजित होनी थी वह अब आगरा में शिफ्ट कर दी गई है।

16 से 20 दिसंबर में होनी थी चैंपियनशिप

मेरठ में पहली बार संतोष ट्रॉफी 16 से 20 दिसंबर तक सुभारती विश्विधालय में होनी थी। अब तक 78 चैंपियनशिप इसमें हो चुकी हैं।इस बार के लिए मेरठ को चुना गया था लेकिन बढ़ते प्रदूषण के कारण एसोसिएशन के पदाधिकारियों के द्वारा इसको अब मेरठ से कैंसिल कर आगरा में शिफ्ट कर दिया गया है। प्रदूषण के मामले में मेरठ अब देश के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में सातवें और प्रदेश में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है।हवा की गुणवत्ता का अंदाजा अदक से लगाया जा सकता है जो 350 से पार हो चुका है।यह स्तर बेहद खराब श्रेणी में आता है।सांस के मरीज बढ़े प्रदूषण के कारण अस्पतालों में सांस और आंखों में जलन से संबंधित मरीज बढ़ते जा रहे हैं। मेडिकल अस्पताल की ओपीडी 4000 पार कर रही है तो जिला अस्पताल में भी यह संख्या 1500 तक जा रही है।

दवा फैक्ट्री पर दिल्ली पुलिस की रेड

अलग-अलग कंपनियों की नकली दवाएं बनाते थे, यूपी से लेकर दिल्ली तक सप्लाई करते

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , लोनी इलाके में दिल्ली पुलिस ने एक दवा फैक्ट्री पर छापा मारा है।इस फैक्ट्री से भरी मात्रा में स्कीन केयर मेडिसिन, दवाई बनाने के उपकरण, कच्चा माला बरामद हुआ है।यहां पर नकली दवाएं बनाई जा रही थी।इस फैक्ट्री को रिहायशी इलाके में संचालित किया जा रहा था।यहां रात के समय ही काम किया जाता था। ये फैक्ट्री 400 गज के मकान में बनी है।इस मकान का मालिक शौकत अली है।जो अपने परिवार के साथ फरार है।दिल्ली क्राइम ब्रांच ने एक्शन लेते हुए एक व्यक्ति को दिल्ली के सदर बाजार से नकली दवाइयां के मामले में अरेस्ट किया। टीम ने मौके से बड़ी संख्या में दवाएं जब्त की हैं।बताया जा रहा है यहां से यूपी, दिल्ली, और अलग अलग राज्यों में नकली दवाई सप्लाई होती थी। गौरव भगत इस फैक्ट्री का संचालन कर रहा था। जिसे दिल्ली पुलिस अपने साथ ले गई। दिल्ली क्राइम ब्रांच आधिकारिक तौर पर इसका खुलासा करेगी।जिस मकान में फैक्ट्री चल रही थी उसे सील कर दिया गया है। पुलिस ने 2 लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें एक दवाई सप्लायर है। इससे पहले 3 नवंबर को गाजियाबाद पुलिस ने तीन करोड़ रुपए का कफ सिरप भी पकड़ा था, इसके तार अलग अलग राज्यों और बांग्लादेश से जुड़े थे। पड़ोस में रहने वाली महिला ने बताया कि इस मकान में शाम को ही कई लोग काम करने आते थे।यह नहीं पता कि वह कहां के रहने वाले हैं।

गत्ते में छिपाकर रखी गई थी दवाएं

गाजियाबाद के लोनी मीरपुर इलाके में सुबह में करीब बजे औषधि विभाग, जिला प्रशासन और दिल्ली पुलिस की टीम पहुंची। वे दूर गाड़ी करके चुपके से दवा फैक्ट्री पहुंचे। फोर्स को देख कर्मचारी भागने लगे। मौके पर अफरा तफरी ,मच गई।पुलिस ने दौड़कर दो कर्मचारियों को पकड़ लिया। अंदर गत्ते में दवाएं छिपाकर रखी गई थी।

ऑनलाइन बेची जा रही थीं चाइल्ड पोर्न वीडियो

देहरादून से शुरू हुई जांच मेरठ तक पहुंची, आरोपी अमित जैन फरार

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , चाइल्ड पोर्न से जुड़ा मामला प्रकाश में आया है। यहां रहने वाला एक शख्स ऑनलाइन पोर्न वीडियो बेचने वाले गिरोह से जुड़ा है। उसके खिलाफ ब्रह्मपुरी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। उसके घर पर ताला पड़ा है। ऑनलाइन पोर्न वीडियो का मामला देहरादून से जुड़ा है। देहरादून की पुलिस ने कुछ समय पहले एक ऐसे गिरोह को लेकर पड़ताल शुरू की थी जो बच्चियों के पोर्न वीडियो टेलीग्राम चेनल के जरिए खरीद-फरोख्त का काम करता था। कई राज्यों तक जांच पहुंची।इसी दौरान मेरठ के युवक का नाम भी आया। हालांकि जिस वीडियो की पड़ताल की जा रही है, उसे मेरठ में बनाया गया है या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।पुलिस हर पहलू पर जांच की बात कह रही है।

चाइल्ड पोर्न वीडियो का धंधा, बोली लगाकर खरीद-फरोख्त

मेरठ के जिस युवक का नाम उजागर हुआ, उसकी पहचान ब्रह्मपुरी के बागपत गेट निवासी अमित जैन के रूप में हुई। अमित जैन किसी टेलीग्राम चैनल से जुड़ा था। वहां चाइल्ड पोर्न वीडियो उपलब्ध कराता था। यहां उन वीडियो की बोली लगती थी और खरीद-फरोख्त की जाती थी।इस मामले में सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना की मानें तो 7 सितंबर को साइबर थाने को इस शिकायत से जुड़ा पत्र मिला था। छानबीन शुरू की गई और पुलिस ने अमित जैन का घर खोज निकाला। वह नहीं मिला, उसके घर पर ताला लगा था। आस पास के लोगों से बात करने पर पता चला कि यहां काफी समय से ताला लगा है। सीओ की मानें तो देहरादून पुलिस से मिले इनपुट के बाद मेरठ पुलिस ने भी छानबीन अपने स्तर से की थी। इस मामले में अमित की भूमिका की पुष्टि हो चुकी है। उसका नेटवर्क साइबर टीम द्वारा खंगाला जा रहा है।महत्वपूर्ण बात यह है कि अमित इस ग्रुप के एडमिन में से एक था। कुल चार एडमिन इस ग्रुप के बताए जा रहे हैं।

पुलिस नेटवर्क खंगालने में जुटी

पुलिस ने बताया कि अभी ऐसे कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं कि यह वीडियो मेरठ में तैयार होती हैं।यह पूरा नेटवर्क कहां से चल रहा है। कैसे अमित तक यह वीडियो पहुंचती हैं, इसका पता उसकी गिरफ्तारी के बाद ही लगाया जा सकेगा।

पुलिस लाइन में एंटी करेप्शन की चौकी स्थापित

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर। एंटी करप्शन विभाग ने बताया कि यदि सरकारी कर्मचारी राजकीय कार्य के लिए रिश्वत की मांग करता है, तो लोग बिना भय के इसकी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। आपकी सुविधा के लिए एंटी करप्शन चित्रकूट धाम मंडल, बांदा व मुख्यालय हमीरपुर में पुलिस लाइन परिसर के भीतर फिंगरप्रिंट कार्यालय के बगल में एंटी करप्शन की चौकी स्थापित की गई है, जहां क्षेत्र की जनता अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है। किसी भी विभाग के सरकारी अथवा राज्य कर्मचारी द्वारा रिश्वत मांगे जाने की स्थिति में एंटी करप्शन विभाग द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आरक्षी अभिषेक सिंह ने बताया कि थाना एंटी करप्शन बांदा मंडल की चौकी हमीरपुर के अंतर्गत तहसील मौदहा, थाना मौदहा, ब्लॉक मौदहा, नगर पालिका कार्यालय मौदहा, तहसील राठ क्षेत्र एवं तहसील सरीला क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। इस दौरान आमजन से वार्ता कर उन्हें भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक किया गया।यदि कोई सरकारी कर्मचारी अथवा अधिकारी रिश्वत की मांग करता है, तो इसकी सूचना निम्न मोबाइल नंबरों पर दी जा सकती है।

श्री रामजनकी मंदिर में नेत्र शिविर का आयोजन किया गया

अमन लेखनी समाचार

कुरारा,हमीरपुर। विकासखंड क्षेत्र के पतारा गांव स्थित श्री राम जानकी मंदिर लालदास बाबा आश्रम में नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 48 लोगों की आंखों की जांच की गई नेत्र परीक्षण में सात लोगों को मोतियाबिंद की समस्या पाई गई। इनको आपरेशन के लिए कानपुर भेजा जाएगा।

यातायात पुलिस द्वारा घने कोहरे के बारे में सड़क दुघर्टना से बचने के लिए बहानों पर रिफ्लेक्टर लगायें गये

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर।यातायात पुलिस ने आइसर कामद ट्रेक्टर एजेंसी के सहयोग से कोहरे में सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए वाहनों पर रेडियम रिफ्लेक्टर लगवाए। वाहन चालकों को सर्दी में सावधानी से वाहन चलाने के लिए जागरूक किया गया। रिफ्लेक्टर लगाने की सलाह दी गई ताकि दृश्यता में कमी से होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सके। नेशनल हाईवे में मंगलवार को यातायात पुलिस ने कोहरे में सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए वाहनों रेडियम रिफ्लेक्टर लगवाए। वाहन चालकों को सर्दी के मौसम में सावधानी पूर्वक वाहन चलाने के लिए जागरूक किया गया।यातायात पुलिस ने कस्बे के बड़े चौराहे, बाँदा रोड़ मलीकुआ चौराहे पर वाहनों के पीछे लाल पीले और सफेद रंग के रिफ्लेक्टर रेडियम स्टीकर लगवाए। वाहन चालकों को जागरूक करते हुए कहा कि कोहरे में दृश्यता कम होने के कारण दुर्घटनाएं होती हैं।इससे बचने के लिए रिफ्लेक्टर रेडियम स्टीकर अवश्य लगवाएं।इस मौके पर यातायात के वीरेन्द्र कुमार व कामदगिरि ट्रैक्टर एजेंसी के संतोष कुमार गुप्ता,हर्ष, कुलदीप त्रिपाठी मौजूद रहे ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रभात शाखा में विजय दिवस के रुप में दंड प्रहार कार्यक्रम आयोजित किया गया

अमन लेखनी समाचार

कुरारा,हमीरपुर ।कस्बा कुरारा में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की प्रभात शाखा में विजय दिवस के रूप में दंड प्रहार कार्यक्रम का आयोजित किया गया ।कार्यक्रम में स्वयं सेवक बंधुओं ने प्रभात शाखा में प्रहार लगाएं तथा विभाग संचालक गोपालदास पालीवाल ने स्वयं सेवक कार्यकताओं को शताब्दी वर्ष व पंच परिवर्तन के विषय में जानकारी दी ।जिले के सह शारीरिक प्रमुख शुभम द्विवेदी ने प्रहार लगाने का अभ्यास कराया ।तथा शारीरिक खेल का अभ्यास कराया ।इस अवसर पर खंड प्रचारक सचिन, खंड व्यवस्था प्रमुख ओपेंद्र सिंह,गणेश तिवारी,ओमप्रकाश सोनी, कृष्णकांत द्विवेदी, श्यामजी गुप्ता, किशोरी शरण गुप्ता, कृपाशंकर त्रिपाठी,बालकिशन तिवारी, प्रियम सिंह सहित स्वयं सेवक मौजूद रहे ।

कृषि विभाग द्वारा बमरौली में किसान पाठशाला का आयोजन किया गया

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर। कृषि विभाग द्वारा भमरौली में किसान पाठशाला का आयोजन किया गया , किसानों को विभिन्न फसलों को उगाने व फसलो में लगने वाले कीट एवं रोगों से बचाव तथा सही समय पर बुवाई,उपचार , सिचाई आदि के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीज भंडार प्रभारी संतोष कुमार ने की। उन्होंने किसानों को रबी सीजन की फसलों में उपयोगी उन्नत कृषि तकनीक एवं कीटनाशक दवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि चना, मटर और मसूर की बुवाई के साथ अलसी की सहफसली खेती व जैविक खेती पर विशेष चर्चा की तथा यह भी बताया कि कीटों का प्रकोप होने पर समय रहते पहचानकर उचित दवा का प्रयोग किया जाना चाहिए, जिससे फसल उत्पादन सुरक्षित रहे। उन्होंने विभिन्न कीट नियंत्रण उपायों के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी कार्यक्रम में उपस्थित राजाराम पाल ने कहा कि किसानों को कम लागत की फसलें जैसे अरहर, ज्वार, बाजरा आदि फसलों पर जोर देना होगा, ताकि पुराने अनाज व दालों से मनुष्य रोगों से बचे , स्वास्थ्य ठीक रहे ।

सर्दी का सितम बढ़ा नगर पंचायत के अलाव गायब

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर।सर्दी का सितम बढ़ने के बाद भी नगर पंचायत के अलाव गायब हैं। मंगलवार को तड़के की गई पड़ताल में कस्बे के प्रमुख स्थानों में अलाव नजर नहीं आए।राहगीर घास फूस जलाकर सर्दी से बचाव की कोशिश करते नजर आए। उधर भीषण कोहरे के चलते हाईवे सहित सभी प्रमुख मार्गो में वाहन रेंगते दिखे। स्कूली बच्चे सभी प्रमुख चौराहा में खड़े होकर ठंड से सिकुड़ रहे थे ।मंगलवार को तापमान 10 डिग्री रहा मंगलवार को सुबह 7:00 बजे कस्बे के बस स्टैंड, देवगांव चौराहा, रेलवे स्टेशन, कमलेश तिराहा, थाना चौराहा, सब्जी मंडी चौराहा, पशु बाजार चौराहा, नेहा चौराहा, इमलिया तिराहा, ब्लॉक कार्यालय आदि प्रमुख जगहों पर जलने वाले अलाव गायब रहे।राहगीर घास फूस पन्नी आदि जलाकर ठंड से बचाव करते नजर आए। सभी प्रमुख चौराहों पर स्कूली बच्चे ठंड से सिकुड़ते नजर आए। भीषण कोहरे के चलते वाहन रेंगते दिखे। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी दिनेश आर्य का दावा है कि कस्बे में शाम को स्थानों पर अलाव जलाए जा रहे है।कहा कि शीत लहर बढ़ने पर इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी।

संक्षेप

नामावलियों का पुनरीक्षण कार्य आयोग द्वारा निर्धारित समय में पूर्ण कराया जायेगा:-डीएम

अमन लेखनी समाचार

हरदोई ।स्वामी विवेकानन्द सभागार कलेक्टेज्ट में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुरीक्षण के सम्बन्ध में आहूत बैठक की अध्यक्षता में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने उपस्थित समस्त दलों के राजनैतिक प्रतिनिधियों से निर्वाचक नामावलियों के पुरीक्षण पर चर्चा की तथा बताया कि निर्वाचक नामावलियों में पंजीकृत मतदाताओं को संबंधित क्षेत्र के बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र प्राप्त कराकर एवं वांछित सूचनाओं सहित भरवाकर प्राप्त किया जा रहा है और कार्य को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय में पूर्ण कराया जायेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि एसडीटी की सूची समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध करा दी गयी है। बैठक प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम तथा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहें।

जन सुनवाई मे जिलाधिकारी ने सुनी 44 शिकायतें

अमन लेखनी समाचार

हरदोई ।कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना तथा जन सुनवाई मे आज कुल 44 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित को दिए। आज जन सुनवाई मे एक व्यक्ति का राशन कार्ड, एक महिला को निराश्रित महिला पेंशन, एक दिव्यांग पेंशन तथा एक आयुष्मान कार्ड बनाया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्व और गुणावत्तापूर्ण ढंग से हो।राजस्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि उत्तराधिकार का कोई भी प्रकरण लंबित न रखें तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के किसी आवेदन को लंबित न रखा जाये। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्टेज्ट अरूणिमा श्रीवास्तव व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

पाली बैंक मैनेजर की गुंडागर्दी, घर में घुसकर महिलाओं से अभद्रता, हफ्ते भर बाद भी पुलिस मौन

अमन लेखनी समाचार

पाली,हरदोई। के पाली थाना क्षेत्र के बिरहाना गाँव से दबंगई का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ एक बैंक मैनेजर पर शराब के नशे में धुत होकर ग्रामीणों के साथ गाली-गलौज, मारपीट और महिलाओं को धमकाने का गंभीर आरोप लगा है। हैरान करने वाली बात यह है कि घटना के एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी पुलिस ने अब तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की है ।नशे में धुत मैनेजर का तांडव स्थानीय निवासियों के अनुसार, बैंक मैनेजर रवि अवस्थी ने शराब के नशे में क्षेत्र में जमकर उत्पात मचाया। आरोप है कि मैनेजर ने न केवल ग्रामीणों के साथ मारपीट की, बल्कि मयार्दा की सारी हदें पार करते हुए लोगों के घरों में घुस गया। पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपी ने घर की महिलाओं के साथ अभद्रता की और उन्हें जान से मारने की धमकी दी ।पुलिस की कार्यशैली पर सवाल घटना को सात दिन से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन पीड़ितों का आरोप है कि पुलिस मामले को ठंडे बस्ते में डाले हुए है। बैंक मैनेजर की ₹दबंगई₹ और रसूख के आगे स्थानीय पुलिस पस्त नजर आ रही है। रिपोर्ट दर्ज न होने से ग्रामीणों में भारी रोष है। 'मैनेजर ने शराब पीकर गाली-गलौज की और घर में घुसकर हमारी बहू-बेटियों को धमकाया। हम थाने के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन हमारी सुनवाई नहीं हो रही।' पीड़ित ग्रामीणअब देखना यह है कि उच्च अधिकारी इस मामले का संज्ञान लेकर आरोपी बैंक मैनेजर के खिलाफ क्या कार्रवाई करते हैं।

पति समेत पांच ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट

अमन लेखनी समाचार

हरपालपुर,हरदोई ।हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के मलौथा गांव निवासी शिल्पी पुत्री सत्येंद्र ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसकी शादी 23 जून 2020 को फरुर्खाबाद जिले के अमृतपुर थाना अंतर्गत बड़ागांव पतारपुर खुर्द गांव निवासी अर्जुन सिंह उर्फ सुनील के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही ससुरालीजन लगातार अतिरिक्त दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल व सोने की चेन की मांग के लिए प्रताड़ित करने लगे। अपने उत्पीड़न की दास्तान उसने अपने माता-पिता को बताई। जिस पर वह घर जाकर नाते रिश्तेदारों के साथ समझा बुझाकर मामला शांत करा गए। 11 जुलाई 2025 को पति अर्जुन सिंह उर्फ सुनील,ससुर रामशरन सास विमला देवी, ननद कलावती व देवकी ने उसे लात घूँसो व लाठी डंडों से काफी मारा पीटा। उसके जेवर छीन कर उसकी बच्ची सहित घर से निकाल दिया। विवाहिता की तहरीर पर पुलिस ने पांचो ससुराललली जनों के विरोध मुकदमा दर्ज किया है।

रोजगार मेला का आयोजन 16 दिसम्बर को

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिला सेवायोजन कार्यालय, सोनभद्र द्वारा जनपद के बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार देने के लिए दिनांक 16 दिसम्बर 2025 को प्रातः 10:00 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने) लोढ़ी, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र की लगभग 15 कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी जिसमें विजन इण्डिया सर्विसेज प्रा० लि० (हिण्डालको इण्डस्ट्रीज, रेनूकुट, सोनभद्र), कैनवील एवियेशन, नई दिल्ली, डीसेट्स, फरीदाबाद, बजाज ऑटो लि०, औरंगाबाद, मीडलैण्ड माइक्रोफीन, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, एमॉस स्कील ग्रुप, गुड़गाँव, आर० एस० टी० ग्रुप ऑफ सर्विस, लखनऊ, किसान बाजार, राबर्ट्सगंज, उमोजा मार्केट प्लेस कम्पनी, वाराणसी, कैस्पर माईक्रो क्रेडिट, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, उ० प्र० परिवहन, सोनभद्र डिपो, रावर्ट्सगंज, सोनभद्र में संविदा पर चालक की भर्ती, फ्लीफकार्ट, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, सोलेरा इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, मधुपुर, सोनभद्र, क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लि०, रावर्ट्सगंज, सोनभद्र एवं श्रीराम फाईनेन्स, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र इत्यादि कम्पनियों द्वारा विभिन्न पदों पर भर्तियां की जाएगी। समस्त इच्छुक एवं योग्य बेरोजगार अभ्यर्थियों का साक्षात्कार नियोजकों द्वारा जिला सेवायोजन कार्यालय, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने) लोढ़ी, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में लिया जायेगा। यह रोजगार मेला पूर्णतः निःशुल्क है। इस हेतु कोई यात्रा व्यय देय नहीं होगा।

तीन मोटरसाइकिलों की भीषण भिड़ंत, एक की मौत, चार गंभीर रूप से घायल

अमन लेखनी समाचार

गुरसरांय। गुरसरांय थाना क्षेत्र अंतर्गत विरारी गांव के समीप मंगलवार को तीन मोटरसाइकिलों की भीषण टक्कर में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार एट थाना क्षेत्र के ग्राम पचोखरा निवासी माया पत्नी गणेशी (55 वर्ष) अपने पुत्र नरेंद्र पुत्र गणेशी (38 वर्ष) के साथ मोटरसाइकिल से सिजारी जा रही थीं। विरारी के पास उनकी बाइक की टक्कर एक अन्य मोटरसाइकिल से हो गई, जिसका चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया। इसी दौरान गरौठा से गुरसरांय की ओर जा रही एक अन्य मोटरसाइकिल, जिस पर ग्राम रमपुरा निवासी अरविंद्र पुत्र हरदयाल (21 वर्ष), राजेश पुत्र संतोष (19 वर्ष) एवं मंजू पत्नी अरविंद्र कुमार अहिरवार सवार थे, नरेंद्र की बाइक से जा टकराई। इस दुर्घटना में कुल पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस एवं एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुरसरांय लाया गया, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. ओ.पी. राठौर एवं स्वास्थ्यकर्मी नमन द्वारा परीक्षण के बाद राजेश (19 वर्ष) को मृत घोषित कर दिया गया। अन्य घायलों की हालत नाजुक होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस द्वारा फरार मोटरसाइकिल चालक की तलाश की जा रही है।

ए पी जे अब्दुल कलाम सभागार में बारहवीं सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गयी

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। बारहवीं जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक डा० ए०पी० जे० अब्दुल कलाम सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, द्वारा अवगत कराया गया कि इस वर्ष की बारहवीं जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की जा रही है। जिलाधिकारी द्वारा मेसर्स-जय बिल्डर्स, कानपुर को रानी लक्ष्मीबाई तिराहे पर टेबल टॉप ब्रेकर बनाये जाने तथा एन०एच०ए०आई० कानपुर / मेसर्स-जय बिल्डर्स कानपुर को यमुना / बेतवा पुल /लक्ष्मीबाई तिराहा एवं राठ तिराहे पर हाई मास्ट लाईट लगाने हेतु निर्देशित किया गया। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) द्वारा जिलाधिकारी को बैठक में ल३ल्लफि४ल्ल के सम्बन्ध में अवगत कराया कि कोई भी प्रकरण नहीं आ रहे है इस बैठक में- जिलाधिकारी / विजय शंकर तिवारी, अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) /दघपाल सिंह वर्मा, अधिशासी अभियन्ता / अभिताभ राय, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) / लेखराज सिंह, अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, / चन्दन पाण्डेय, यात्री एवं मालकर अधिकारी आदि अधिकारी मौजूद रहे।

कस्बे को प्रस्तावित ग्रीन फील्ड हाईवे से जोड़ने के लिए व्यापार मंडल ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

विधायक डॉ.मनोज कुमार प्रजापति को ज्ञापन सौंपते व्यापारी

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। प्रस्तावित ग्रीन फील्ड हाईवे से कस्बे की उद्योग नगरी को जोड़ने की मांग करते हुए व्यापार मंडल ने सदर विधायक को ज्ञापन सौंपा है। सदर विधायक ने व्यापारी नेताओं को आश्वस्त किया है कि वह केंद्रीय राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री से मिलकर समस्या का निदान कराएंगे। कानपुर से लेकर महोबा जिले के कबरई कस्बे तक बनने वाले ग्रीन फील्ड हाईवे के निर्माण को हरी झंडी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में प्रदान दी है। यह प्रस्तावित राजमार्ग अप्रैल से बनना शुरू होगा। इस हाईवे में उतरने चढ़ने के लिए एप्रोच मार्ग मुख्यालय की कुछेछा के पास दिया गया है। जबकि कस्बे में उद्योग नगरी के साथ अन्य कई बड़े व्यापार संचालित है। जिससे दूसरे प्रांत के लोगों के साथ गाड़ियों की आवाजाही होती है। लेकिन कस्बे को इस हाईवे से नहीं जोड़ा जा रहा है। इसी के मद्देनजर नगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष महेश गुप्ता दीपू के नेतृत्व में व्यापारी नेताओं ने सदर विधायक डॉ.मनोज कुमार प्रजापति को ज्ञापन सौंप कर कस्बे की उद्योग नगरी को फोरलेन हाईवे से जोड़ने की मांग की है। सदर विधायक ने व्यापारी नेताओं को आश्वस्त किया है कि वह केंद्रीय राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर समस्या से अवगत कराकर कस्बे को प्रस्तावित फोर लेन हाईवे से जुड़वाने का कार्य करेंगे। ज्ञापन देने वालों में व्यापार मंडल के चेयरमैन अनुज शिवहरे, महामंत्री श्यामलाल गुप्ता, विजय उर्फ कल्लू चौरसिया, अनिल परनामी,रामजी मिश्रा, शिवनारायण धुरिया, गुड्डू गुप्ता आदि शामिल रहे।

लव जिहाद पर सख्त कानून की मांग, सचिन वशिष्ठ ने सरकार से की अपील

अमन लेखनी समाचार/अंकित दिल्ली संवाददाता

नई दिल्ली। विश्व हिन्दू महासंघ के कोषाध्यक्ष सचिन वशिष्ठ ने लव जिहाद की बढ़ती घटनाओं पर गहरी चिंता जताते हुए इसे समाज और राष्ट्र के लिए गंभीर खतरा बताया। उन्होंने सरकार से मांग की कि लव जिहाद के मामलों पर और अधिक सख्त एवं प्रभावी कानून बनाया जाए, ताकि बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। सचिन वशिष्ठ ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि बीते कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि योजनाबद्ध तरीके से पहचान छिपाकर, नाम बदलकर और झूठे प्रेम जाल में फंसाकर बेटियों का शोषण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक षड्यंत्र है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मौजूद कानून पर्याप्त नहीं हैं, जिसके कारण कई मामलों में अपराधी कानूनी पेंचों का फायदा उठाकर बच निकलते हैं। ऐसे मामलों में त्वरित जांच, फास्ट ट्रैक कोर्ट और कठोर सजा का प्रावधान होना चाहिए। सचिन वशिष्ठ ने कहा कि विश्व हिन्दू महासंघ लगातार जनजागरण अभियान चला रहा है, ताकि परिवार और समाज समय रहते सतर्क हो सकें। उन्होंने माता-पिता से भी अपील की कि वे अपनी बेटियों के साथ संवाद बनाए रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को हल्के में न लें। उन्होंने स्पष्ट कहा, 'हम किसी धर्म के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन धोखे, दबाव और साजिश के जरिए धर्मांतरण और शोषण के खिलाफ सख्त कानून समय की मांग है।' अंत में उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि बेटियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लव जिहाद पर कठोर कानून जल्द लागू किया जाए, ताकि समाज में भयमुक्त वातावरण बन सके।

नौकरी की तलाश में निकली युवती का शव झाड़ियों में मिला

दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या की आशंका

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जिले में अपराध का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है ।माधौगंज थाना क्षेत्र के डकौली गांव में मंगलवार सुबह 25 वर्षीय युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में झाड़ियों में पड़ा मिला ।युवती के गले में उसी का दुपट्टा कसा हुआ था,जिससे आशंका जताई जा रही है कि गला घोंटकर उसकी हत्या की गई है ।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मुख्य आरोपी की तलाश शुरू कर दी है ।घटना माधौगंज थाना इलाके के डकौली गांव की है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार,मृतका की पहचान ज्योति (25 वर्ष) के रूप में हुई है। सोमवार दोपहर करीब 3 बजे वह घर से यह कहकर निकली थी कि वह गौसगंज में नौकरी की तलाश करने जा रही है ।परिजनों के मुताबिक, ज्योति की छोटी बहन उसे छोड़ने गई थी,लेकिन रास्ते में गांव का ही इकबाल नामक युवक उसे अपनी मोटरसाइकिल पर बिठाकर ले गया ।जब देर रात तक ज्योति घर नहीं लौटी,तो परिवार ने उसकी खोजबीन शुरू की,लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला ।मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के पंचायत भवन के पास झाड़ियों में युवती का शव देखा और पुलिस को सूचना दी ।मौके पर देखा गया कि युवती के गले में उसी का दुपट्टा कसा हुआ था ।प्रथम दृष्टया यह प्रेम प्रसंग और हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है ।घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी अशोक कुमार मीणा, सीओ रवि प्रकाश सिंह और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए ।मृतका की मां ने गांव के ही युवक इकबाल पर बेटी की हत्या करने का सीधा आरोप लगाया है ।पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

भाजपा नेता पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल का बयान -रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा से रूस और भारत के बीच रहे रिश्तों को मिली और अधिक मजबूती

प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए भारत है तैयार

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। भाजपा नेता नरेश अग्रवाल ने कहा है कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा से भारत और रूस के बीच रिश्तों को और अधिक मजबूती मिली है ।उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच लिए गए निर्णय से मित्रवत संबंधों पर मजबूत मोहर भी लग गई है ।भाजपा नेता नरेश अग्रवाल ने आज हरदोई स्थित अपने पैतृक आवास पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है ।एस.आई.आर के मुद्दे पर विपक्ष द्वारा लगातार देशवासियों को गुमराह करने की कड़ी आलोचना करते हुए पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल ने कहा कि उनके बेटे नितिन अग्रवाल के हरियावां बावन विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम कट गए हैं ।श्री अग्रवाल ने कहा कि मनरेगा में लाभार्थी व्यक्ति के कार्य करने के दिनों की संख्या बढ़ाई गई है फिर भी विपक्ष अनावश्यक रूप से संसद में इसका नकारात्मक विरोध कर रहा है ।उन्होंने कहा कि विपक्ष का अगर यहीरवैया रहा तो जनता उसे बिहार की तरह आगामी विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में भी नकार देगी। इंडिगो एयरलाइन विवाद पर बोलते हुए पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल ने कहा कि इंडिगो ने अपने यात्रियों के साथ जो खिलवाड़ किया है इसके लिए उसे पर कोई बड़ा जुमार्ना निश्चित रूप से करना चाहिए ताकि इंडिगो को अपनी गलती का एहसास हो सके ।उत्तर प्रदेश के विकास व दुरुस्त कानून व्यवस्था के लिए सीएम योगी की कार्यशैली की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल ने कहा कि योगी मॉडल देशभर में लोकप्रिय हो चुका है ।यही वजह है देश के अधिकांश राज्यों के मुख्यमंत्री भी अपने-अपने राज्यों की कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए योगी मॉडल को ही अपना रहे हैं। भाजपा नेता नरेश अग्रवाल ने कहा कि पंचायत चुनाव यदि समय पर हुए तो भाजपा का परचम पूरी तरीके से लहराएगा और विपक्ष का सूपड़ा पूरी तरीके से साफ हो जाएगा ।पत्रकार वार्ता के दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल व हरदोई पूर्व पालिका अध्यक्ष राम प्रकाश शुक्ला एडवोकेट भी मौजूद थे।

जेडीसीए ने ग्राम पंचायत नागर के विकास कार्यों का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। ग्राम पंचायत नागर में संयुक्त विकास आयुक्त, झांसी मण्डल सुरेश चन्द केसरवानी द्वारा पंचायत में कराए गए विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 व 2025-26 के अंतर्गत कराए जा रहे विकास कार्यों का प्रत्येक स्थल पर जाकर बारीकी से अवलोकन किया। संयुक्त विकास आयुक्त ने कार्यों की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया की सराहना करते हुए मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि छोटे से गांव में बेहतर और गुणवत्तापूर्ण विकास कार्य देखने को मिले हैं, जिसके लिए ग्राम पंचायत एवं ब्लॉक स्तर की प्रशंसा की जानी चाहिए।इस अवसर पर ग्राम प्रधान द्वारा आश्वासन दिया गया कि संयुक्त विकास आयुक्त द्वारा बताए गए अनुभवों एवं सुझावों को आगामी सभी विकास कार्यों में पूर्ण रूप से अपनाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान संयुक्त विकास आयुक्त की टीम के साथ गौरव कुमार (बीडीओ बामौर), दीपक कुमार (एपीओ बामौर), देवेंद्र कुमार (सचिव), विनीत विश्वकर्मा, नितिन कुमार, भरत व्यास (सचिवगण), महेंद्र नामदेव (तकनीकी सहायक), विष्णु सहाय (तकनीकी सहायक) सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही वरुण त्रिपाठी (प्रधान वीरपुरा), विजय यादव (प्रधान गोहना) एवं अनुज कुमार द्विवेदी (ग्राम प्रधान नागर) सहित ग्रामीणजन मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर में जनसुनवाई के दौरान 91 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से अधिकांश को त्वरित निराकरण किया गया

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर।जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कर जन सामान्य की शिकायतों को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण करने के निर्देश दिए जनसुनवाई में लगभग 91 शिकायते प्राप्त हुई जिनमें से अधिकांश का त्वरित ढंग से मौके पर निस्तारण कर दिया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने समस्त एसडीएम , खंड विकास अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ वर्चुअल/ जूम एप के माध्यम से बैठक कर उनके तत्काल निस्तारण हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम ,बीडीओ व अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर जन समस्याओं का त्वरित ढंग से निस्तारण किया जाए इसमें किसी भी तरह किसी शिथिलता न बरती जाए जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई, आईजीआरएस व अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाले प्रकरणों का सभी संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण कर उसकी समय से आख्या दी जाए।

बिजली की सार्ट सर्किट से घर में आग लगी, गृहस्थी जलकर राख

अमन लेखनी समाचार

हरपालपुर,हरदोई ।कस्बे के नक्खाशा बाग मोहल्ला निवासी सुनीता पत्नी स्वर्गीय बृजेश कुमार प्राथमिक विद्यालय गुलौली में रसोईया पद पर तैनात है ।सोमवार की रात वह अपने तीन पुत्रों के साथ घर के बरामदे में सो रही थी। रात करीब 2 बजे कमरे में बिजली की शार्ट सर्किट सर्किट से अचानक आग लग गई ।नींद खुलने पर कमरे में आग की लपटें देखकर शोर मचाने पर आसपास के लोग आ गए। ग्रामीणों के प्रयास से करीब आधा घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। आगजनी में पॉच हजार की नगदी, जेवर,कपड़े राशन समेत सब कुछ जलकर राख हो गया। आगजनी के समय कमरे में कोई मौजूद नहीं था। जिससे बड़ा हादसा बच गया। आगजनी की सूचना राजस्व व बिजली विभाग को दी गई है।

असेम्बली ऑफ गॉड हायर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिक उत्सव के आयोजन में पहुँचे पुरातन छात्र

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। मंगलवार को अपने दौर के शहर के प्रतिष्ठित स्कूल रहे असेम्बली ऑफ गॉड हायर सेकंडरी स्कूल में आयोजित वार्षिक उत्सव में पुरानी यादों को ताजा करने 70 और 80 के दशक में इस इंग्लिश स्कूल में शिक्षा पाये पुरातन छात्र (ओल्ड स्टूडेंट्स) बड़ी संख्या में विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम इकट्ठा हुए। विद्यालय की वर्तमान प्रधानाचार्य निकिता सैमुएल ने बताया कि इस आयोजन में 4-5 दशक पहले पढ़े सीनियर स्टूडेंट्स को विशेष तौर पर आमंत्रित करके वो अपनी माँ रंजना सैमुएल को एक यादगार तोहफा देना चाहती थी,कि जिन बच्चों को उन्होंने आज से 4 दशक पहले पढ़ाया वो आज देश और विदेश में इस प्रतिष्ठित स्कूल का नाम रोशन कर रहे है। शहर के पहले इंग्लिश स्कूल असेम्बली ऑफ गॉड की स्थापना वर्ष 1972 में हुई थी। प्रारम्भ में ये स्कूल प्राइमरी स्तर का रहा 1978 में क्लास 6 शुरू हुआ और इस स्कूल का कक्षा 8 का पहला बैच 1980 में निकला था। करीब 15 वर्ष पहले ये हायर सेकंडरी स्तर का विद्यालय बन गया। इस स्कूल से 70 और 80 के दशक में पास आउट हुए पुरातन छात्र बालाजी हॉस्पिटल के डॉ अजय सिंह, हाई कोर्ट के वकील अनुराग नारायण, अतुल वर्मा, सी ए कार्तिकेय गुप्ता,इं अहमद मुबीन, वरिष्ठ पत्रकार आलोक सिंह, सिनेमा जगत (बॉलीवुड) में हरदोई का नाम रोशन करने वाले राहुल चौहान, गोविंद नानवानी, नीतेश जवारानी, आंनद सिरोही, अरुण कौल, अनुपमा गुप्ता, रीता आहूजा ने बच्चों के सामने अपने स्कूल से जुड़े पुराने संस्मरण सुनाए। कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों ने लोकप्रिय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। वार्षिक उत्सव में सुभाषनी श्रीवास्तव, इसरार सिद्दीकी,अतुल मिश्रा, अभिषेक गोहर, अम्बरीष गुप्ता, आलोक कुमार, अरविंद कुमार , दुर्गेश मिश्रा, आलोक सिंह, अनिल वर्मा उपस्थित रहे । स्कूल प्रबंधक रंजना सैमुएल , प्रिंसिपल निकिता सैमुअल, अनुपमा उपाध्याय, फहीम खान, शाहबानो, अदिति श्रीवास्तव, जिया और वंदना ने आये हुए पुरातन छात्रों का आभार व्यक्त किया।

अमन लेखनी

(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

पैरेंटिंग का नया ट्रेंड सख्ती के साथ नरमी भी

समय और समाज में होने वाले परिवर्तन का असर बच्चों और उनके पैरेंट्स पर भी पड़ता है। यही वजह है कि पैरेंटिंग के तरीके में भी नए ट्रेंड देखे जा रहे हैं। नए दौर की पैरेंटिंग सख्ती से अधिक नरम बर्ताव पर यकीन करती है। पैरेंटिंग के नए ट्रेंड्स के बारे में सभी पैरेंट्स को जानना चाहिए।

कवर स्टोरी

अंशु सिंह

बच्चों का लालन-पालन यानी पैरेंटिंग की प्रक्रिया निरंतर बदलती रही है। हर युग के सांस्कृतिक, तकनीकी और मनोवैज्ञानिक संदर्भों के अनुरूप इसमें बदलाव आता रहता है। आज जब हम दुनिया में व्याप्त कई तरह की गंभीर चुनौतियों और प्रगति के बीच नई पीढ़ी की परवरिश कर रहे हैं, उसमें पैरेंटिंग के कई नए स्टाइल्स भी ट्रेंड कर रहे हैं। लेकिन आज बच्चों के लिए सबसे अधिक आवश्यक है प्यार और संवेदनशीलता।

विकसित हो रही हैं नई शैलियां

भारत में बच्चों की परवरिश में हमेशा से परंपराएं, सांस्कृतिक मूल्य और पारिवारिक अपेक्षाएं गहराई से निहित रही हैं। लेकिन जैसे-जैसे जीवनशैली बदल रही है, शहरों का विस्तार हो रहा है, वैश्विक प्रभाव हर घर तक पहुंच रहा है, परवरिश की विविध शैलियां भी विकसित हो रही हैं। आज भारतीय माता-पिता बच्चों के पालन-पोषणमें सदियों पुराने ज्ञान और आधुनिक पैरेंटिंग के बीच संतुलन बनाना सीख रहे हैं। असल में उलझनों और जटिलताओं से भरी इस दुनिया में पैरेंटिंग के ट्रेंड भी बड़े बदलावों से गुजर रहे हैं। अब लड़कियों के लिए गुलाबी और लड़कों के लिए नीले रंग जैसे विचार लगभग पुराने हो चुके हैं। आधुनिक पैरेंट्स इन्हें नकार रहे हैं। ज्यादातर शहरी माता-पिता लैंगिक भेदभाव वाली भाषा का इस्तेमाल करने से बचते हैं। इस तरह वे कपड़ों, खिलौनों के लचीले चयन के जरिए लैंगिक विविधता को अपना रहे हैं और अपने बच्चों को बिना किसी पूर्वाग्रह के अपनी बात कहने की पूरी आजादी भी दे रहे हैं। सवाल है कि आपके परिवार के बच्चों के लिए कौन-सी पैरेंटिंग स्टाइल सही रहेगी, इसके लिए आपको इनके बारे में जानना होगा।

साइकिल ब्रेकिंग

यह एक ऐसी पैरेंटिंग शैली है, जिसमें पैरेंट्स जान-बूझकर अपने बचपन के नेगेटिव पैटर्न को दोहराने से बचते हैं। कठोर अनुशासन, उपेक्षा या पुरानी मान्यताओं का इस्तेमाल करने के बजाय वे समझ, धैर्य और भावनात्मक समर्थन पर ध्यान केंद्रित करते हैं। युवा माता-पिता स्वस्थ पारिवारिक वातावरण बनाने और बच्चों को सुरक्षित, आत्मविश्वासी और प्यार महसूस कराने के लिए इस दृष्टिकोण को अपना रहे हैं। वे खुले संवाद, सहानुभूति और सकारात्मक उदाहरण स्थापित करने को प्राथमिकता देते हैं। बाल मनोवैज्ञानिक गीतिका कपूर कहती हैं, 'यदि किसी माता-पिता का पालन-पोषण सख्त माहौल में हुआ है, तो अब वे यह सुनिश्चित करते हैं कि उनके अपने बच्चे के साथ वही सख्ती न दोहराई जाए। वे अलग रास्ता चुन रहे हैं। मेंटल हेल्थ एवं इमोशनल संतुलन के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ माता-पिता मजबूत, खुशहाल परिवार बनाने के लिए इस शैली को अपना रहे हैं।'

एफएएफओ पैरेंटिंग

फॉरगेट अराउंड एंड फाइंड आउट पैरेंटिंग की यह शैली भले ही इन दिनों ट्रेंड कर रही हो, लेकिन इसके सिद्धांत नए नहीं हैं। फ्लोरिडा के गेंसविले स्थित चाइल्ड्स अकादमी की शिक्षिका रेबेका पैट्रिक कहती हैं, 'बिना किसी हस्तक्षेप के पालन-पोषण की यह शैली मूलतः बच्चों को प्राकृतिक परिणामों से सीखने देने के समान है।' जेनरेशन एक्स के बचपन में भी एफएएफओ एक सामान्य बात थी, बस इसका आकर्षक नाम गायब था। एफएएफओ पैरेंटिंग एक दृढ़, परिणाम-आधारित दृष्टिकोण है, जहां बच्चे चेतावनियों के बजाय वास्तविक दुनिया के परिणामों से सीखते हैं।

लाइटहाउस पैरेंटिंग

प्रतिष्ठित बाल रोग विशेषज्ञ और लेखक डॉ. केनेथ गिंसबर्ग द्वारा गढ़ी गई, 'लाइटहाउस पैरेंटिंग' एक ऐसा मॉडल है, जो अटूट प्यार और सहयोग के साथ-साथ बच्चों को स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता विकसित करने के लिए आवश्यक स्पेस प्रदान करता है। इसमें पैरेंट्स, लाइटहाउस की तरह निरंतर अपनी प्रेमपूर्ण उपस्थिति बच्चों को प्रदान करते हैं, स्पष्ट मार्गदर्शन देते हैं और दृढ़ सीमाएं निर्धारित करते हैं। पैरेंट्स अपने बच्चे पर भरोसा करते हैं, उनका हौसला बढ़ाते हैं, जिससे कि वह जीवन की लहरों, ठोकरों और गलतियों आदि निपटना सीख जाते हैं।

पॉपुलर हो रहे हैं नए पैरेंटिंग ट्रेंड्स

- आज पैरेंट्स अपने बच्चों के लिए समग्र स्कूली शिक्षा और भविष्योन्मुखी संस्थानों को प्राथमिकता देते हैं। खासकर, महामारी के बाद से होम स्कूलिंग, हाइब्रिड और 100 प्रतिशत ऑनलाइन स्कूलिंग को व्यापक रूप से स्वीकृति मिली है।
- आधुनिक माता-पिता ऑनलाइन संसाधनों तक पहुंचने और अपने बच्चे की शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करते हैं। इसके अलावा, वे बच्चों के पालन-पोषण के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने के लिए भी तकनीक का उपयोग करते हैं।
- आजकल के पैरेंट्स हेल्दी ब्रेकफास्ट के विकल्पों के बारे में जागरूक हैं और बेहतर फूड च्वाइस के लिए इन पर अधिक पैसा खर्च करने को भी तैयार रहते हैं। इसी तरह, खेलकूद, जिम और शारीरिक गतिविधियों में समय बिताना भी एक अच्छा चलन देखा जा रहा है। कई माता-पिता बच्चों को इसके लिए प्रेरित करने लगे हैं।

सोशल मीडिया पर आपके कमेंट्स बनाते हैं आपकी सोशल इमेज

आप अगर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं तो किसी भी रील या पोस्ट पर कोई कमेंट करने से पहले अच्छी तरह सोच लेना चाहिए। खासतौर पर कोई भी नेगेटिव कमेंट करने से पहले बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। ऐसा क्यों जरूरी है, जानिए।

टेक्नो-बिहेवियर

मधु सिंह

यह सही है कि सोशल मीडिया बहुत रोमांचक और मनोरंजक प्लेटफॉर्म है। लेकिन कभी-कभी यह आपके लिए तनाव की वजह भी बन सकता है। यह तब होता है, जब आप यहां किसी पोस्ट या रील पर कोई ऐसा कमेंट करती हैं, जो लोगों को रास नहीं आता और लोग आपकी इसके लिए आलोचना करते हैं। कभी-कभी तो बहुत बुरे कमेंट्स भी करते हैं।

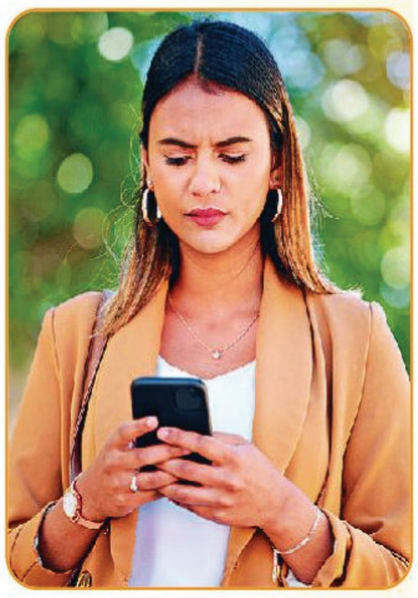

नेगेटिव कमेंट करने की हैबिट

कई लोग तो चैट रूम में सिर्फ लोगों को रोस्ट करने, बेइज्जत करने के लिए ही सक्रिय रहते हैं। बल्कि कहा जाए तो कुछ लोग तो इस लत का शिकार भी होते हैं। ऐसे लोग सोशल मीडिया पर कोई भी ऐसा कंटेंट ढूंढ़ते हैं, जिस पर वे कोई बुरी या अपमानजनक टिप्पणी कर सकें। वे ऐसा कभी-कभार नहीं, बार-बार करते हैं। आप किसी भी फेमस यू-ट्यूब वीडियो, इंस्टाग्राम फोटो, लेख, ब्लॉग, पोस्ट या फेसबुक अपडेट के कमेंट सेक्शन में झांकें तो आपको ऐसे दूसरों को हेट कमेंट देने वाले कोई न कोई व्यक्ति जरूर मिल जाएंगे।

नेगेटिव कमेंट से बचें

इंटरनेट पर आप किसी से भी असहमत हो सकते हैं। आपको किसी का लुक या उसके विचार पसंद नहीं आ सकते हैं। लेकिन आपको यह नहीं भूलना चाहिए कि आपके कमेंट करने का तरीका आपकी पर्सनालिटी को लोगों के सामने लाकर रखता है। ऐसे में आपका कमेंट बताता है कि आप कितने क्रिएटिव, कितने बुद्धिमान हो? वास्तव में सोशल मीडिया ऐसा माध्यम है, जिसमें कोई एक-दूसरे के सामने नहीं होता है, लेकिन वर्चुअल दुनिया में उनके बीच संवाद का सिलसिला चल रहा होता है। आपका कोई कमेंट या आपके बारे में किया गया कोई कमेंट का पता सबको लग जाता है। इसलिए कोई भी नेगेटिव कमेंट करने से बचना चाहिए।

धर्म-जाति पर न करें कमेंट

सोशल मीडिया पर कुछ लोग धर्म-जाति पर भी अभद्र कमेंट करते हैं। आपको ऐसे कमेंट देने से पूरी तरह बचना चाहिए। अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क में हैं जो ऐसे कमेंट करता है तो उससे भी खुद को अलग कर लेना चाहिए। सोशल मीडिया पर दिखने वाले ऐसे कमेंट्स पर ध्यान न देते हुए उन्हें इग्नोर करना चाहिए। इस तरह आपकी सोशल मीडिया पर अच्छी इमेज बनी रहेगी।

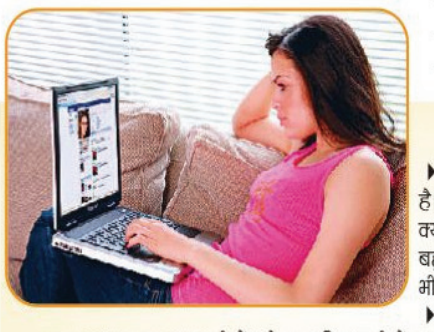

कमेंट करने से पहले सोच लें

- कमेंट करना और अपना अनुभव साझा करना गलत नहीं है। लेकिन दूसरों की आलोचना से पहले अच्छी तरह सोच लें। क्या आपको लगता है कि जो आप कह रही हैं, उसे कहना बहुत जरूरी है? यह न भूलें कि हर कमेंट से आपकी एक इमेज भी निर्मित होती है।
- कमेंट करने से पहले रुकें और सोचें कि पोस्ट के बारे में आप क्या महसूस कर रही हैं? जो आप लिख रही हैं, उसका उद्देश्य दूसरों के दृष्टिकोण को समझना है या अपनी भावनाओं को व्यक्त करने या उन्हें शांत करने की जरूरत से प्रेरित है?
- अपनी भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करने के बाद ही सोच-समझकर अपनी प्रतिक्रिया दें।
- किसी पोस्ट पर तुरंत प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। क्योंकि जल्दबाजी में लिखे गए शब्द कई बार किसी को नीचा दिखाने के लिए या अपमानित करने के लिए होते हैं।

ब्रोकन वुमेन सिंड्रोम मन की टूटन, ना हो जीवन पर हावी

कई बार जीवन में ऐसी नकारात्मक परिस्थितियां आ जाती हैं, जिससे मन टूट जाता है। ऐसे में हताश होने के बजाय एक्सपर्ट से कंसल्टेशन और पॉजिटिव अप्रोच से कंडीशन में सुधार हो सकता है।

मेंटल हेल्थ

शिखर चंद जैन

नंदिनी का बुझा हुआ चेहरा, बेतरतीब हेयर स्टाइल, फीके और ढीली-ढाली ड्रेस देखकर परिणीता हैरान रह गई। कॉलेज टाइम की सबसे स्मार्ट, तेज-तर्रार लड़की का ये हाल कैसे हो गया? कई साल बाद मार्केट में अचानक मिली नंदिनी को देखकर परिणीता को यकीन नहीं हो रहा था। वह उसे अपने साथ कैफे में ले गई। इत्मीनान से बातचीत करने पर पता चला कि शादी के छह महीने के भीतर ही पति और ससुराल वालों की उपेक्षा और अत्याचार के कारण और बाद में अपने भैया-भाभी द्वारा दुत्कार दिए जाने के बाद वह बहुत दुःखी और परेशान हो गई थी। नंदिनी के माता-पिता तो किशोरावस्था में ही गुजर चुके थे। अब उसे न कोई हौसला देने वाला था, न कोई मदद करने वाला। परिणीता समझ गई कि नंदिनी ब्रोकन वुमेन सिंड्रोम से ग्रस्त हो चुकी है। उसने न केवल नंदिनी को अपने साथ रखा बल्कि साइकिएट्रिस्ट से मिलवाया भी।

क्या है ब्रोकन वुमेन सिंड्रोम: ब्रोकन वुमेन सिंड्रोम, एक टर्म है, जिसका प्रयोग अकसर उन महिलाओं के लिए किया जाता है, जो भावनात्मक, मानसिक या शारीरिक रूप से लंबे समय तक दर्दनाक अनुभवों, दुर्व्यवहार, उपेक्षा या सामाजिक दबावों, के कारण गहरे भावनात्मक आघात से गुजरी होती हैं। यह शब्द विशेष रूप से उन महिलाओं की मनःस्थिति को प्रकट करता है, जो अपनी ताकत और लचीलापन दिखाने के बावजूद, आंतरिक रूप से टूटन महसूस करती हैं।

प्रमुख लक्षण: ब्रोकन वूमेन सिंड्रोम से ग्रस्त महिलाओं में कई शारीरिक और मानसिक लक्षण दिखते हैं।

- पीड़ित महिला लगातार दुख, निराशा या जीवन में सूनापन महसूस करती है।
- ऐसी महिलाएं छोटी-छोटी बातों पर अत्यधिक भावुक हो जाती हैं या फिर अकसर चुप और गुमसुम रहती हैं।
- इससे प्रभावित महिलाएं खुद को अयोग्य या भीतर से टूट चुका मानने लगती हैं।
- हर मामले में खुद को कमतर समझने लगती हैं।
- खुद के साथ हुए विश्वासघात, दुर्व्यवहार या उपेक्षा के कारण ऐसी महिलाओं को दूसरों पर भरोसा करने में कठिनाई होती है।
- रिश्तों में असुरक्षा की भावना आने लगती है या हरदम परित्याग का डर सताता है। नतीजतन ये दोस्तों, परिवार या सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाने लगती हैं। उन्हें लगता है कि कोई उनकी स्थिति को नहीं समझेगा।
- तनाव के कारण अकसर थकान, सिरदर्द, या पाचन संबंधी समस्याएं होने लगती हैं।
- नींद में गड़बड़ी या भूख में कमी नजर आने लगती है।

समस्या के कारण: विशेषज्ञ बताते हैं कि विशेष रूप से अंतरंग रिश्तों में दुर्व्यवहार, शारीरिक, भावनात्मक या यौन दुर्व्यवहार, सामाजिक दबाव, विवाह, मातृत्व या करियर से जुड़ी अत्यधिक अपेक्षाएं उनको मानसिक रूप से परेशान कर देती हैं। इसके अलावा किसी प्रकार का आघात, प्रियजन की हानि या आर्थिक समस्या के कारण हो सकता है।

(फोर्टिस हॉस्पिटल, कोलकाता के साइकिएट्रिस्ट डॉ. संजय गर्ग से बातचीत पर आधारित)

रोकथाम के उपाय

मनोवैज्ञानिक परामर्श और संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी, प्रभावित महिला के नकारात्मक विचार पैटर्न को बदलने में मदद करती है। इसके साथ ही सेल्फ केयर, ध्यान, योग (जैसे प्राणायाम, सूर्य नमस्कार) और नियमित व्यायाम काफी राहत देते हैं। डायरी लेखन या रचनात्मक गतिविधियां जैसे पेंटिंग आदि करने से मन को सुकून मिलता है। आत्म-स्वीकृति यानी यह समझना कि 'टूटा हुआ' महसूस करना कमजोरी नहीं है, यह उपचार की प्रक्रिया को प्रभावी बनाता है। इसके साथ ही आत्म-प्रेम और अपनी उपलब्धियों को महत्व देना बेहद जरूरी है।

तब हैंड स्किन बनी रहेगी सॉफ्ट

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

हाथों की त्वचा पर हर मौसम का प्रभाव सबसे ज्यादा पड़ता है। धूल, साबुन, पानी, सूखी हवाएं को लगातार सहते हुए इसकी त्वचा रूखी-बेजान हो जाती हैं। सर्दियों में यह समस्या ज्यादा गंभीर रूप धारण कर लेती है। बार-बार साबुन, डिटर्जेंट, पानी और ठंडी हवाओं के संपर्क में आने से हाथों की स्किन लाल, खुरदरी, ड्राय, बेजान या मुरझाई दिखने लगती है। इसकी प्रॉपर केयर जरूरी है।

मालिश है जरूरी: कच्चे दूध को कुछ देर के लिए फ्रिज में रख लें फिर जब भी समय मिले तो हाथों पर मल कर धीरे-धीरे मालिश करें। इससे त्वचा मुलायम होगी और त्वचा पर जमी मैल, गंदगी दूर होगी। आप इस प्रक्रिया को रोजाना दो या 1-2 दिन के अंतराल के पर भी कर सकती हैं। स्नान से पहले हाथों पर गुनगुना तेल लगाकर अच्छी तरह मालिश कीजिए, इससे भी हाथों की त्वचा कोमल हो जाती है। इसके लिए आप नारियल तेल, तिल, जैतून या बादाम तेल का उपयोग करें तो ज्यादा बेहतर होगा। नहाने के तत्काल बाद जब आपकी त्वचा गीली हो तो हाथों पर मॉयश्चराइजर-क्रीम लगा लीजिए, इससे भी त्वचा में नमी को बनाए रखने में मदद मिलेगी।

करती रहें मॉयश्चराइज: हाथों को मॉयश्चराइज करने के लिए आप होममेड पैक अप्लाई कर सकती हैं। इसको बनाने के लिए बादाम पावडर, दही और चुटकी भर हल्दी का मिश्रण बना लें। फिर हाथों पर लगाकर 30 मिनट बाद इसको ताजे ठंडे पानी से धो लें। इस प्रक्रिया को आप हफ्ते में दो बार अपना सकती हैं। आजकल बाजार में कई तरह के मॉयश्चराइजर, हैंड क्रीम भी उपलब्ध है। बॉडी लोशन की बजाय हैंड क्रीम हमेशा बेहतर साबित होती है, क्योंकि हैंड क्रीम ज्यादा न्यूट्रीशस होती है। वाटर बेस्ड लोशन के मुकाबले ऑयल बेस्ड क्रीम लगाना कहीं ज्यादा प्रभावी और रहता है। सूखे हाथों पर जैल या मॉयश्चराइजिंग मास्क भी अप्लाई कर सकती हैं। सर्दियों में शावर जैल या ग्लिसरीन युक्त साबुन का प्रयोग बेहतर रहता है। इससे स्किन पर नमी बनी रहती है।

ये उपाय भी हैं कारगर: यहां बताए जा रहे उपायों को आजमाकर भी आप अपनी हाथों की त्वचा को कोमल बना सकती हैं।

- दो चम्मच सूर्यमुखी का तेल, दो चम्मच नीबू का रस, तीन चम्मच चीनी को मिलाकर बनाए मिश्रण को हाथों पर लगाकर आधे घंटे बाद हाथों को ताजे साफ पानी से धो डालिए। इसे हफ्ते में तीन बार प्रयोग कर सकती हैं।
- ताजे संतरे की फांकों को एक फॉर्क से भेदकर इन्हें अपने हाथों पर आहिस्ता-आहिस्ता रगड़ने से नमी बनी रहती है।
- चोकर, बेसन, हल्दी पावडर और दूध को मिलाकर पेस्ट बना लीजिए। इस मिश्रण को 20 मिनट तक हाथों पर लगाने के बाद हाथों को ताजे साफ पानी से धोने से लाभ मिलता है।

इस सीजन में ऐसा हो आपका डाइट प्लान

मौसम बदलने के साथ शरीर को अलग तरह के पोषण की जरूरत होती है। सर्दी के इस मौसम में हेल्दी और एनर्जेटिक बने रहने के लिए आप यहां बताए जा रहे डाइट सजेशंस को फॉलो कर सकती हैं।

डाइट सजेशन

निकिता चौहान

सर्दी के मौसम में आमतौर पर सभी की भूख बढ़ जाती है। इस वजह से डाइट का ध्यान न रखने पर वेट बढ़ने का रिस्क रहता है। इस मौसम में पानी भी लोग कम ही पीते हैं। इस वजह से बहुत जल्द बॉडी डिहाइड्रेट भी हो जाती है। दिन छोटे होते हैं, इस वजह से घर-बाहर के काम-काज में बिजी रहने से वे अपने लिए वर्कआउट या एक्सरसाइज के लिए समय नहीं निकाल पाती हैं, जिस कारण महिलाओं का वजन बढ़ने लगता है और हार्मोंस डिसबैलेंस होने लगते हैं। यही नहीं इस मौसम में कमजोरी, जुकाम-खांसी, त्वचा का रूखापन, जोड़ों में दर्द, इम्यूनिटी वीक होने संबंधी समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। इन समस्याओं से बचने के लिए सर्दी के मौसम में अपनी डाइट का पूरा ध्यान रखना जरूरी है। इससे इस मौसम में होने वाली कई हेल्थ प्रॉब्लम्स से आप बची रहेंगी।

फॉलो करें ये डाइट रूल्स: सर्दी के मौसम में हर उम्र की महिलाओं को अपनी डाइट हैबिट में कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- ताजा, गर्म और पौष्टिक भोजन ही खाएं।
- मौसमी सब्जियां जैसे पालक, गाजर, चुकंदर, मेथी आदि को अपनी डेली डाइट में शामिल करें।

- गेहूं और चावल के अलावा बाजरा और ज्वार को भी अपनी डाइट में शामिल करें।
- प्रोटीन के लिए अंडे, दालें, पनीर और मेवे भी खाएं।
- टमाटर, स्वीट कॉर्न या ब्रोकली का सूप पीना फायदेमंद है।
- रोजाना हर्बल चाय भी पी सकती हैं।
- विटामिन-सी के लिए संतरा, आंवला और शिमला मिर्च खाएं।
- गुड फैट के लिए देसी घी, अलसी और बादाम का सेवन करें।
- जंक फूड, तला-भुना और पैकेट वाले फूड्स कम खाएं।

गर्भवती महिलाओं के लिए: प्रेग्नेंट महिलाओं को भी इस सीजन में अपनी डाइट का विशेष ध्यान रखना चाहिए। बेहतर होगा कि आप अपनी डाइट के लिए डॉक्टर से सलाह लें।

- आयरन, प्रोटीन और कैल्शियम से भरपूर डाइट का सेवन करें।
- घर का बना ताजा और पौष्टिक खाना ही खाएं।
- इस सीजन में डेली हरी सब्जियां, ताजे फल खाएं और दूध जरूर पिएं।
- सूप, राजमा, छोले, खजूर और पालक का सेवन जरूर करें।
- अखरोट और अलसी के बीज खाएं, ये गर्भ में पल रहे बच्चे के दिमाग के लिए फायदेमंद होते हैं।
- दिन भर में 12-15 गिलास पानी जरूर पिएं।
- बहुत ज्यादा मीठे स्नैक्स से बचें।

50 प्लस महिलाओं के लिए: बढ़ती उम्र में मौसम के अनुसार महिलाओं की डाइट संबंधी जरूरतें बदल जाती हैं।

- कैल्शियम और विटामिन-डी रिच डाइट जैस-दूध, दही, तिल, रागी, पालक का सेवन करें।
- बेहतर पाचन के लिए फाइबर वाले खाद्य पदार्थ जैसे-साबुत अनाज, फल और सब्जियां खाएं।
- गर्म सूप और प्रोटीन रिच डाइट शरीर को मजबूत बनाते हैं।
- भिगोए हुए मेवे खाना फायदेमंद है।

(मदरहुड हॉस्पिटल, एनसीआर की कंसल्टेंट न्यूट्रिशन- डायटेटिक्स डॉ. निव्या विकल से बातचीत पर आधारित)